जीवन दर्शन

दैनिक

ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

गुरुवार 23 अप्रैल, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 72 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

सत्ता की महत्ता तो मोहक भी बहुत होती है, एक बार हांथ में आने पर और कंटीली होने पर भी छोड़ी नहीं जाती
- वृंदावनलाल वर्मा

राजस्थान ने लगाया जीत का पंजा, लखनऊ को 40 रन से रौंदा,...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

1 मई से बदल जाएगा ऑनलाइन गेमिंग का खेल! केंद्र ने लागू किए नए नियम

नई दिल्ली। भारत में तेजी से बढ़ते ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने लंबे समय से प्रतीक्षित नियमों को अधिसूचित कर दिया है, जिससे अब ऑनलाइन गेमिंग को लेकर एक साफ ढांचा तैयार हो गया है. ये नए नियम 1 मई से लागू होंगे और देश में गेमिंग इंडस्ट्री के संचालन के तरीके को प्रभावित करेंगे. सरकार की तरफ से लाए गए ये नियम प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट को लागू करने के लिए बनाए गए हैं. इसके तहत एक ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी के गठन का रास्ता भी साफ हो गया है, जो इस सेक्टर की निगरानी करेगी. इस अथॉरिटी का मुख्य उद्देश्य गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर पारदर्शिता, सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना होगा.

खरगे को ईसी का नोटिस... मोदी को आतंकी कहने पर फंसे कांग्रेस प्रमुख

नई दिल्ली। देश के चुनावी माहौल में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आतंकवादी वाली टिप्पणी ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। चुनाव आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खरगे के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। भारतीय चुनाव आयोग ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर गहरा संज्ञान लिया और मामले में नोटिस जारी किया। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, इस बयान को आदर्श आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन माना गया है। नोटिस में खरगे से अगले 24 घंटों के भीतर अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

लेंसकार्ट में तिलक विवाद एमपी-यूपी, महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ में प्रदर्शन

नई दिल्ली। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? तेरो कक्का का भारत है क्या? हां! हमारे तो बाप का भारत है। पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक, कलावा और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी।

होर्मुज से भारत आ रहे जहाज को ईरान ने रोका, इस्लामिक गार्ड ने कब्जे में लिया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी ■

ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट में भारत आ रहे एक जहाज को रोककर कब्जे में ले लिया है। ईरान ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना इजाजत होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहा था। लाइबेरिया के फ्लैग वाला एपामिनोडेस नाम का यह कंटेनर शिप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। ईरानी नौसेना के मुताबिक जहाज के नेविगेशन सिस्टम में छेड़छाड़ की गई थी, जिससे समुद्री सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ।

कार्रवाई के दौरान आईआरजीसी ने जहाज को रोककर अपने कब्जे में लिया और उसे तट की ओर ले गई। इसके अलावा इजराइल से जुड़े फ्रांसेस्का नाम के दूसरे जहाज को भी कब्जे में लिया गया है। इसके अलावा यूफोरिया नाम के जहाज पर हमला भी किया गया है। इस जहाज पर राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रहने वाले मर्चेंट नेवी में वाइस कैप्टन संजय माहर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि मेरे शिप पर ईरान की सेना ने फायरिंग की। इसके बाद हम सभी अंदर आ गए। जहाज में मेरे समेत कुल 21 क्रू है। संजय ने शिप के अंदर का एक वीडियो भी भेजा है। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके। ट्रम्प ने कहा कि इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी। उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती, चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले।

ईरान बोला- अमेरिकी नाकेबंदी से नुकसान नहीं

ईरान के कृषि मंत्री गुलामरेजा नूरी ने कहा है कि अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी का देश में जरूरी सामान और खाने-पीने की चीजों पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। उनके मुताबिक, देश में ज्यादातर चीजें खुद ही बन जाती हैं और बाकी सामान दूसरे रास्तों से मंगाया जा रहा है, इसलिए हालात अभी कंट्रोल में हैं। उन्होंने बताया कि ईरान का आकार बड़ा है और उसकी कई सीमाएं हैं, जिससे अलग-अलग जगहों से सामान लाना संभव है। इसी वजह से सप्लाई में कोई बड़ी दिक्कत नहीं आ रही। उनका कहना है कि करीब 85 प्रतिशत खेती से जुड़ा उत्पादन और जरूरी चीजें देश में ही तैयार हो जाती हैं, इसलिए खाने की कमी नहीं है। अमेरिका ने 13 अप्रैल को ईरान के बंदरगाहों और तटों पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू की थी। यह कदम युद्धविराम के कुछ दिन बाद उठाया गया, जिस पर ईरान ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे समझौते का उल्लंघन बताया है।

जंग शुरू होने के बाद लगभग 12 लाख भारतीय देश लौटे

पश्चिम एशिया में जंग शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक देश लौटे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक करीब 11.91 लाख लोग भारत वापस आ चुके हैं। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के बीच वहां रह रहे भारतीयों की वापसी लगातार बढ़ी है। हालात बिगड़ने के बाद लोगों ने तेजी से देश लौटना शुरू किया। सरकार ने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए जरूरी इंतजाम किए हैं और लगातार इस प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है।

लेबनान में इजराइली हमले में 2 की मौत

लेबनान में इजराइल के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यह हमला इजराइल-लेबनान में लागू 10 दिन के सीजफायर के बीच हुआ है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अल-तीरी इलाके में एक कार पर हुए हमले में दो लोगों की जान गई। इसके अलावा कंतारा कस्बे में भी इजराइली सेना ने बमबारी की।

इंदौर में भाजपा के केंद्रीय स्तर का शिविर शुरू

डेटा मैनेजमेंट, सोशल मीडिया रणनीति और आधुनिक चुनावी तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की

डेली कॉलेज, इंदौर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में भाजपा की राष्ट्रीय स्तर का एक दिवसीय शिविर बुधवार को सुबह 10 बजे शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र के अलावा अलग-अलग सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में वक्ताओं ने अलग-अलग राज्यों से आए प्रतिनिधियों को बताया कि वे किस तरह तकनीकी रूप से संगठन को मजबूत कर सकते हैं और डिजिटल माध्यमों से चुनावी रणनीति को प्रभावी बना सकते हैं। साथ ही संभाग और जिला स्तर पर होने वाले शिविरों में पदाधिकारियों को किन किन बिंदुओं पर प्रशिक्षण देना चाहिए, इस पर भी चर्चा हुई।

इस प्रशिक्षण वर्ग में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, दादर और नगर हवेली, अंडमान और निकोबार के पदाधिकारी शामिल हुए। जिन राज्यों में चुनाव हैं, वहां के पदाधिकारियों को बुलाया नहीं गया था। भाजपा ने इस तरह के शिविरों के जरिए आगामी चुनावों की तैयारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उद्घाटन सत्र में भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, गुजरात के संगठन मंत्री रत्नाकर, पूर्व सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे और ओमप्रकाश धनखड़ ने पदाधिकारियों के समक्ष अपने विचार रखे। यह शिविर इंदौर के डेली कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें देश के सात राज्यों से पार्टी के वरिष्ठ नेता और रणनीतिकार शामिल हुए। शिविर में डेटा मैनेजमेंट, सोशल मीडिया रणनीति और आधुनिक चुनावी तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को गोपनीय और अनुशासित बनाए रखने के लिए कार्यशाला स्थल पर मोबाइल फोन ले जाने की मनाही थी और वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रखा गया था। शिविर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, गौरव रणदिवे, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित अन्य नेता भी मौजूद थे।

सरकार ने एविएशन फ्यूल में एथेनॉल मिलाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ■

सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर एटीएफ मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है।

इस फैसले से न केवल हवाई यात्रा क्लीन होगी, बल्कि भारत की विदेशी तेल पर निर्भरता भी कम होगी। मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार, अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की परिभाषा को अपडेट किया गया है। अब एटीएफ में हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ सिंथेसाइज्ड कंपोनेंट्स (जैसे एथेनॉल) को भी शामिल किया जा सकेगा। यह भारतीय मानकों के अनुरूप होगा। सरकार का यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) के चलन को ध्यान में रखकर किया गया है। भारत अपनी जरूरत का करीब 87% कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अक्सर तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहता है, जिसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

अब जमीन अधिग्रहण पर मिलेगा 4 गुना मुआवजा, मोहन कैबिनेट ने दी मंजूरी

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया गया। अब विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर किसानों को पहले से ज्यादा, यानी चार गुना तक मुआवजा मिलेगा। इसके लिए वर्ष 2015 के नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

दरअसल, अब तक भू-अर्जन में गुणांक एक होने के कारण किसानों को केवल दोगुना मुआवजा मिल पाता था, जिससे वे जमीन देने में हिचकिचाते थे। इसका सीधा असर कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की गति पर पड़ता था। नए फैसले के तहत गुणांक बढ़ाकर दो कर दिया गया है, जिससे किसानों को मिलने वाली राशि में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

लंबे समय से की जा रही थी मांग

इस बदलाव की मांग लंबे समय से भारतीय किसान संघ समेत विभिन्न औद्योगिक संगठनों द्वारा की जा रही थी। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार ने पहले एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप शामिल थे। समिति की सिफारिशों के आधार पर यह बड़ा निर्णय लिया गया है, जिससे किसानों और विकास परियोजनाओं दोनों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

ये योजनाएं स्वीकृत

आगामी पांच वर्षों में विभिन्न विकास योजनाओं पर लोक निर्माण विभाग द्वारा 25164 करोड रुपये किए जाएंगे, जिसमें ग्रामीण सड़क जिला मार्ग के लिए 6150 पुल व सड़कों के उन्नयन के लिए 1087, भवन व कार्यालय मरम्मत के लिए 765 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। छिंदवाड़ा सिंचाई परिसर के लिए विशेष पुनर्वास पैकेज में 128 करोड़ रुपये बढ़ाए गए हैं। इससे 628 ग्राम लाभान्वित होंगे। एक लाख 90 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा। उज्जैन की भी एक सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी गई है।

खंडवा सांसद के भाई की संदिग्ध मौत, कुएं से मिला शव

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के छोटे भाई विश्वनाथ पाटिल की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। उनका शव बुरहानपुर में उनके ही खेत के कुएं से बरामद किया गया, जिसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, विश्वनाथ उर्फ बाडू पाटिल लापता थे। परिजनों ने उनके नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान खेत के पास स्थानीय लोगों को उनकी चप्पल दिखाई दी, जिससे शक गहराया और पुलिस को कुएं में सर्चिंग करने का संकेत मिला।

नेपाल गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने भारी दबाव के बाद दिया इस्तीफा

काठमांडू: नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब हाल के दिनों में व्यवसायी दीपक भट्टा के साथ उनके कथित व्यावसायिक संबंधों को लेकर विवाद सामने आए हैं। दीपक भट्टा पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जांच चल रही है। गुरुंग ने सोशल मीडिया के जरिए अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा मुझसे जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए और पद पर रहते हुए हितों के किसी भी टकराव या जांच प्रक्रिया पर किसी भी तरह के असर से बचने के लिए मैंने आज गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-जांच में ममता का दखल लोकतंत्र को खतरा, कोई मुख्यमंत्री ऐसा करेगा, सोचा नहीं थ

नई दिल्ली। आई-पीएसी रेड मामले में ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दखल को गलत ठहराया।

कहा- किसी भी राज्य का सीएम ऐसा करता है तो यह लोकतंत्र को खतरे में डालना है। जस्टिस कुमार ने कहा- यह राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं है।

दरअसल इसी साल 8 जनवरी को ईडी की टीम ने आई-पीएसी हेड प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दफ्तर पर छापा मारा था। प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। छापेमारी के बीच ममता प्रतीक के घर पहुंच गईं थीं और कुछ दस्तावेज लेकर चली गईं। ईडी ने ममता बनर्जी और राज्य पुलिस अधिकारियों पर जांच में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

मिजार्पुर में भीषण सड़क हादसा

ट्रक की टक्कर से बोलेरो में लगी आग, 8 जिंदा जले

मिजार्पुर ■

मिजार्पुर में बुधवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वाराणसी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर ड्रमंडगंज के बड़का मोड़ के पास हुए इस हादसे में वाहनों में लगी आग के कारण 8 लोगों के जिंदा जलने की सूचना है।

ट्रक का ब्रेक फेल होने से मचा कोहराम

हादसा उस वक्त हुआ जब बुधवार रात करीब 9 बजे चना लदा एक ट्रक वाराणसी-रीवा हाईवे से गुजर रहा था। अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

बेकाबू ट्रक ने सबसे पहले एक कंटेनर को टक्कर मारी, जिसके बाद वह एक बोलेरो और स्विफ्ट डिजायर कार से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो डिवाइडर से जा टकराई, जिससे उसमें तत्काल आग लग गई। अनियंत्रित स्विफ्ट डिजायर भी आगे चल रहे गिट्टी लदे ट्रेलर में जा घुसी, जिससे पूरे हाईवे पर कोहराम मच गया।

8 लोगों के जिंदा जलने की सूचना

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बोलेरो में सवार लोग मध्य प्रदेश से मिजार्पुर की ओर लौट रहे थे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि वाहन में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। बोलेरो में सवार 8 लोगों के जिंदा जलने की जानकारी सामने आई है। वहीं, स्विफ्ट डिजायर कार में सवार लोगों के भी हताहत होने की सूचना है। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक मिजार्पुर के जिगना थाना क्षेत्र के हाटा के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

व्यंग्य : मोदी पर गलत बोल : राहुल, खड़गे में होड़ : कैसे जीतेंगे.. ?

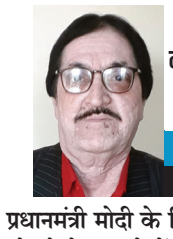

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध अपशब्द बोलने के मामले में कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष में जैसे होड़ लगी है. राहुल गांधी कांग्रेस में सर्वेसर्वा हैं और उनकी बदौलत मल्लिकार्जुन खड़गे इस सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष बने बैठे हैं और 83 वर्षीय खड़गे शायद अपने अनुभव से समझ रहे होंगे कि मोदी के विरुद्ध बोलने पर राहुल और खुश होंगे, शायद इसलिए ही उन्होंने मोदी को आतंकवादी कह दिया, लेकिन जब भाजपा का गुस्सा देखा तो पलट कर सफाई देने लगे..!

खड़गे के बोल पर थरूर भी कह चुके स्तर ना गिराएं : फिर भी सुधार नहीं..!

प्रधानमंत्री मोदी को ' आतंकवादी ' बोलना कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को भारी पड़ गया और बीजेपी के आगबबूला होने के बाद तुरंत सफाई देने लगे और बयान से पलट गए कि ' मैंने ऐसा तो नहीं कहा था ' खैर राजनीति में कुछ भी बोल लो फिर सफाई दे दो, मेरा ऐसा आशय नहीं था और खड़गे ने भी ऐसा ही कहा कि मेरे कहने का मतलब मोदी आतंकित करते हैं. खैर भाजपा के कई नेताओं ने कड़ी निंदा की और चुनाव आयुक्त को शिकायत भी दर्ज करा दी एवं माफी मांगने की मांग भी की है. भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने तंज कसा आतंकी लादेन को लादेन जी बोलने वाले मोदी को आतंकवादी बोलने लगे. खैर खड़गे भले ही अपने बयान से पलट कर

बात को ऐसे घुमाएं तब भी क्या देश की जनता नहीं समझती और जब तमिलनाडु की चुनावी सभा में बोला तो क्या सुनने वाले सारे लोग क्या यही मान लेंगे..? वैसे भी 83 वर्षीय खड़गे ने पिछले दिनों केरल की चुनावी सभा में गुजरात के लोगों को अनपढ़ बता दिया था और तुष्टिकरण पर बेतुका बयान दिया था. वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने तब भी सलाह दी थी कि भाषा का स्तर ना गिराएं, लेकिन खड़गे पर कोई असर नहीं हुआ. वे शायद यही मानने लगे हैं कि मोदी विरुद्ध बोलना यानी राहुल गांधी को खुश रखना ताकि अच्छे अध्यक्ष साबित हों और पद भी बचा रहे, लेकिन ऐसे बोल से क्या कांग्रेस चुनाव जीत लेगी.. यह अहम सवाल है..? राहुल गांधी ही नहीं, सोनिया गांधी के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे व अन्य गांधी परिवार के भक्त नेता हताशा में प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अपशब्द बोलते रहे हैं और यह मान बैठे कि वे विपक्ष की सही भूमिका अदा कर रहे हैं, लेकिन ऐसे शब्दों का जनता पर क्या असर होगा, इसे कई चुनाव में हार के बाद भी नहीं समझ पा रहे. वर्षों देश पर राज करने वाली सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस 12 साल से केंद्र की सत्ता से बाहर है और गिने चुने राज्यों तक सिमटी कांग्रेस के नेता यह भी नहीं समझ रहे कि पार्टी से जुड़े करोड़ों कार्यकताओं की भी उम्मीद है कि पार्टी संकट से उबरे और उन्हें भविष्य में सत्ता में आने का मौका मिले, लेकिन क्या बिना ठोस मुद्दे उठाए सिर्फ हताशा में प्रधानमंत्री मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे शब्द या आतंकवादी बोलने से जीत मिलेगी.. इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को खुद ही मंथन करना होगा. राहुल गांधी के नेतृत्व में लगातार हार के बाद भी भाषा पर अंकुश नहीं है और इसका असर 5 राज्यों के चुनाव में भी देखने को मिल सकता है..4 मई को आने वाले परिणाम में पता चलेगा, जनता ने क्या निर्णय लिया..?

कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर बोले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष- उनका बयान कांग्रेस की ओछी मानसिकता दशार्ता है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर राजनीति गरमा गई है।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करना खड़गे और कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दशार्ता है। उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिनती विश्व के लोकप्रिय नेतागणों में होती हैं। वे हमारे देश की आन बान और शान है। खड़गे भी राष्ट्रीय पार्टी के

मुख्यमंत्री यादव हुए शिविर में शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर तीन बजे इंदौर आए। वे एयरपोर्ट से सीधे डेली कॉलेज पहुंचे। यहां आयोजित भाजपा के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वे शामिल हुए। शिविर स्थल पर स्थानीय नेताओं ने उनकी अगवानी की। यादव ने शिविर को संबोधित भी किया और संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी।

अध्यक्ष हैं। भाजपा के शिविर में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर देश की जनता ने चुना है। कांग्रेस के नेताओं को अपनी वाणी को संयत रखना चाहिए। खड़गे पहले भी उनके खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों में हमेशा बाधा बनती है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को भी मंजूर नहीं होने दिया और इसका वह जश्न मना रही है। कांग्रेस को अपनी अमर्यादित टिप्पणी पर देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

मप्र में 5000 फ्लैट बनाने की डीपीआर मंजूर, हितग्राहियों का चयन शुरू

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 के तहत 10 हजार फ्लैट का निर्माण होना है, जिसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) मंजूरी के लिए भोपाल गई है। 10 हजार में से 5 हजार फ्लैट बनाने की डीपीआर मंजूर हो गई है। अब जल्द ही फ्लैट का निर्माण सिंदौड़ा और सनावदिया में होगा, क्योंकि बहुमंजिला इमारत में फ्लैट निर्माण के लिए विभिन्न विभागों से परमिशन लेने की प्रकिया शुरू कर दी गई है।

परमिशन मिलते ही निर्माण कार्य और हितग्राहियों का चयन शुरू होगा। सबके पास खुद का आवास हो और मकान की कीमत भी कम हो इसके

लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई है। योजना के पहले चरण में इंदौर शहर और आसपास 13 जगहों पर मिली सरकारी व जमीन पर 18606 फ्लैट बनने के साथ लोगों को आबंटित होना शुरू हो गए हैं।

डीपीआर मंजूर हो गई

अब प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 पर काम शुरू किया गया है। इसके चलते सिंदौड़ा (रंगवासा), सनावदिया, बढ़ियाकीमा और उमरीखेड़ा में 10 हजार फ्लैट बनाने की डीपीआर मंजूरी के लिए राज्य शासन को भोपाल भेजी गई। भोपाल भेजी गई 10 हजार में से 5 हजार फ्लैट बनाने की डीपीआर मंजूर हो गई है। सिंदौड़ा और सनावदिया में यह 5 हजार फ्लैट बनाए जाएंगे। इसके लिए टाउन एंड प्लानिंग, रेरा, बिल्डिंग परमिशन शाखा और प्रदूषण बोर्ड सहित अन्य विभागों से परमिशन ली जा रही है। परमिशन मिलते ही निर्माण कार्य के लिए टेंडर जारी करने के साथ फ्लैट आबंटन के लिए हितग्राहियों का चयन शुरू होगा। फ्लैट निर्माण को लेकर डीपीआर मंजूर होने की पुष्टि प्रधानमंत्री आवास योजना के अफसरों ने की है, जिनका कहना है कि बाकी जगहों की डीपीआर भी जल्द मंजूर होगी।

एमपी ट्रांसको ने जीआईएस सबस्टेशन के सीमित स्थान पर किया अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर ऊजीर्कृत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम पी ट्रांसको) के इंजीनियरों ने सीमित स्थान में कौशल, दक्षता और सुविचारित कार्ययोजना का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए 132 केवी जीआईएस सबस्टेशन, ई-8 अरेरा कॉलोनी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।दरअसल जीआईएस (गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन) तकनीक पर आधारित इस सबस्टेशन में स्थान अत्यंत सीमित होने के कारण अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित करना एक जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य था।

इसके बावजूद एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों ने अपनी तकनीकी दक्षता, सूक्ष्म योजना और समन्वित प्रयासों के माध्यम से कम स्थान का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए 20 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित

कर उसे ऊजीर्कृत किया। एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री राजेश शांडिल्य के अनुसार इस नए ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से न केवल भोपाल की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता में वृद्धि हुई है, बल्कि सबस्टेशन पर वैकल्पिक व्यवस्था भी उपलब्ध हो गई है। अब रखरखाव (शटडाउन) के दौरान भी विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना संभव होगा। इस नए ट्रांसफार्मर के जुड़ने से सबस्टेशन की कुल क्षमता बढ़कर 70 एमवीए हो गई है, जो राजधानी की बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

8 साल बाद भी अधूरा है विश्राम बाग, स्विमिंग पूल और टॉय ट्रेन के इंतजार में शहरवासी, नई समय सीमा जून 2026

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रणजीत हनुमान मंदिर के पास स्थित विश्राम बाग को संवारने का प्रोजेक्ट आठ साल का समय बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों को अत्याधुनिक स्विमिंग पूल और बच्चों के लिए टॉय ट्रेन जैसी मनोरंजक सुविधाएं उपलब्ध कराना था। हालांकि इस दौरान तीन बार एजेंसी बदली जा चुकी है और चार बार प्रोजेक्ट की समय सीमा में बदलाव किया जा चुका है लेकिन हर बार कोई न कोई नई बाधा सामने आ जाती है। ताजा अड़चन टॉय ट्रेन के ट्रैक को लेकर पैदा हुई है जिससे काम की गति एक बार फिर थम गई है।

परियोजना के तहत बच्चों के लिए टॉय ट्रेन चलाने की योजना है जिसे पीपीपी मॉडल पर संचालित किया जाना था। इसमें ट्रैक और स्टेशन निर्माण की जिम्मेदारी नगर निगम की

जल्द पूरा हो जाएगा प्रोजेक्ट

विश्राम बाग के बगीचा क्षेत्र में हरियाली जरूर विकसित हुई है जिससे पर्यावरण में सुधार दिख रहा है लेकिन प्रोजेक्ट के मुख्य आकर्षण जैसे स्विमिंग पूल और टॉय ट्रेन की सुविधाएं अधूरी रहने से समूचा प्रोजेक्ट अपूर्ण नजर आता है। हालांकि निगम अधिकारियों का दावा है कि आगामी दो से तीन महीनों में सभी शेष कार्य पूरे कर लिए जाएंगे परंतु पूर्व में किए गए इसी तरह के दावों के कारण स्थानीय लोगों में अब भी संशय बना हुआ है। प्रोजेक्ट को अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर देख रहे हैं। उनका कहना है कि जल्द ही प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा और शहरवासियों को इसमें कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी।

थी जबकि संचालन निजी कंपनी को करना था। पूर्व में टॉय ट्रेन के ट्रैक की लंबाई 350 मीटर प्रस्तावित की गई थी जिसे अब 150 मीटर और बढ़ाकर कुल 500 मीटर करने का प्रस्ताव उठा है। इस नए विस्तार के लिए दोबारा प्रस्ताव तैयार कर एमआईसी के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाएगा। एमआईसी से स्वीकृति मिलने के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी जिसका सीधा अर्थ है कि सुविधाओं के लिए जनता को अभी और लंबा इंतजार करना होगा। विश्राम बाग कुल 11.50 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जिसमें से 9.10 एकड़ में बगीचा विकसित है। शेष 2.40 एकड़ हिस्से में नौ करोड़ रुपए की लागत से यह प्रोजेक्ट बन रहा है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग पूल भी तैयार किया जा रहा है। इसमें 50 मीटर लंबा और 25 मीटर चौड़ा इनडोर स्विमिंग पूल बनाया जाना प्रस्तावित है ताकि यहां बड़े स्तर की तैराकी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकें। वर्ष 2018 में शुरू हुए इस कार्य को 2020 तक पूर्ण होना था लेकिन समय सीमा निरंतर बढ़ती रही। दो बार एजेंसी बदलने के बाद 2024 में नई कंपनी को काम सौंपा गया जिसे जून 2025 तक का समय दिया गया था। इसके बाद अवधि को छह-छह महीने के लिए दो बार और बढ़ाया गया जिससे अब नई डेडलाइन जून 2026 तय की गई है लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसमें भी देरी होने की प्रबल संभावना है।

भुगतान में देरी से थमी प्रोजेक्ट की गति

नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक प्रोजेक्ट का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वर्तमान में निर्माण एजेंसी का करीब डेढ़ करोड़ रुपए का भुगतान लंबित है जिसके कारण काम की रफ्तार धीमी पड़ गई है। स्विमिंग पूल का मुख्य ढांचा तो बनकर तैयार है लेकिन वाटर चेंज सिस्टम, मोटर पंप, चेंजिंग रूम और लाइटिंग जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य अभी शेष हैं। इन कार्यों के पूरा हुए बिना पूल को शुरू करना मुमकिन नहीं है। इसके अलावा अलग-अलग हिस्सों के लिए अलग एजेंसियां होने और उनके बीच समन्वय की कमी ने भी प्रोजेक्ट को प्रभावित किया है। निगम द्वारा एजेंसियों पर पेनल्टी लगाए जाने के बावजूद स्थिति में कोई बड़ा सुधार नहीं देखा गया।

जर्जर पुल के कारण महू-घाटा बिल्लौद मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित

इन्दौर। जिला प्रशासन द्वारा इंदौर जिले के महू-घाटाबिल्लौद मार्ग पर महूगांव स्थित पुल की जर्जर स्थिति को देखते हुए यातायात को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं। मध्यधप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा उक्त पुल का निरीक्षण किए जाने पर इसकी स्थिति अत्यधिक खराब पाई गई, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। यह मार्ग पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र एवं इन्दौर जिले को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जिस पर भारी एवं यात्री वाहनों का आवागमन होता है। सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन बंद किया गया है। पुल का नवनिर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर वर्षा ऋतु से पूर्व पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर की गई त्वरित कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के ग्राम अम्बामोलिया निवासी एक व्यक्ति द्वारा जनसुनवाई में की गई शिकायत पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन के अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाकर रास्ते को सुगम बनाया। ज्ञात रहे कि कल मंगलवार को सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को उमेश गंगोलिया निवासी ग्राम अम्बामोलिया तहसील खुड़ैल ने रास्ता पर अतिक्रमण संबंधी शिकायत की थी।

शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि उनके घर के पास 9 फीट का नाला है, उसके सामने 13 फीट रोड है। नाले में गंदगी एवं कचरा के कारण हमारे स्वास्थ पर दुष्?प्रभाव पड़ रहा है। मुझ प्रार्थी की शादी भी है, जिसमें

कई मेहमान एवं बच्चे आएंगे किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो इसलिए आवेदन दे रहा हूं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर एसडीएम श्रीमती प्रियंका चौरसिया ने जाँच करायी। जाँच के दौरान पाया गया कि शिकायतकर्ता उमेश गंगोलिया का आबादी भूमि में स्थित उनके मकान के उत्तर एवं दक्षिण दिशा में रास्ता है। इनके मकान के उत्तर दिशा में नाला 9 फीट का है, जिसमें बारिश में गांव का एवं खेतों का पानी बहकर गांव की आशामती नदी में जाता है। उक्त नाले पर शिकायतकर्ता द्वारा ही अतिक्रमण किया जाना पाया गया। शिकायतकर्ता का नाले पर 3 बाय 30 फीट का अतिक्रमण पाया गया, जिसे आज हटाया गया। इसके साथ ही नाले के आसपास स्थित अन्य 12 लोगों का भी अतिक्रमण पाया गया जिसे हटाया गया। मौके पर अतिक्रमण हटाया जाकर अस्थाई रूप से रास्ता चालू करवाया गया एवं ग्राम पंचायत को पक्का नाला निर्माण हेतु निर्देशित किया गया। इस कार्रवाई की ग्रामीणों ने सराहना की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर आयोजित जनसुनवाई का सकारात्मक परिणाम इस कार्रवाई को बताया। उन्होंने कहा कि इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

स्कूली बसों में लगाना होंगे स्पीड गवर्नर - बसों में सुरक्षा के अन्य प्रबंध भी जरूरी...

बच्चों की सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं होगा बर्दाश्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर कार्यालय में आज कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेज संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग होने वाले वाहनों के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश (गाईडलाइन) जारी की गई। इस गाईडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा प्रबंधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की

जाएगी। किसी भी तरह समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

बैठक में अपर कलेक्टर रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती शांता स्वामी भार्गव, जिला परियोजना समन्वयक संजय मिश्रा भी विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक के दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा ने सभी स्कूल एवं कॉलेज संचालकों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच कराई जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनमें सभी आवश्यक सुरक्षा मानक पूर्ण रूप से मौजूद हों। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक बस में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से लगाया जाए, लेकिन केवल उपकरण लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि स्कूलों में समय-समय पर सुरक्षा मॉक ड्रिल भी आयोजित की जाए, ताकि विद्यार्थियों और स्टाफ को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित बचाव के तरीकों की जानकारी हो। कलेक्टर वर्मा ने स्कूलों में संचालित रसोईघर एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्थाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी संभव हो, स्कूलों की रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि यह अपेक्षाकृत सुरक्षित व्यवस्था है। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्कूली यूनिफॉर्म और किताबों के संबंध में किसी प्रकार की मोनोपॉली नहीं रहे। अभिभावकों को परेशानी न हो। स्कूल यूनिफॉर्म, किताबें एवं अन्य आवश्यक सामग्री की सुगमता से उपलब्धता हो। किसी प्रकार की एकाधिकार व्यवस्था (मोनोपॉली) नहीं रहे। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कॉलेज परिसरों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि इसके नियंत्रण के लिए विशेष समितियों का गठन किया जाए। यह समितियां नियमित रूप से निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विद्यार्थी नशे की गतिविधियों में संलिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। बैठक में बताया गया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी स्कूल बसों में स्पीड गवर्नर लगाया जाना अनिवार्य है। बसों में छोटे-छोटे बच्चे सफर करते हैं, इसलिए वाहन की गति नियंत्रित रहना बेहद आवश्यक है। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण प्रावधान है, जिसका सभी स्कूल संचालकों को गंभीरता से पालन करना होगा।

मुश्किल लोगों को डील करने के 10 गोल्डन रूल !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, इस दुनिया का हर इंसान अपने आप में अनूठा और अनोखा है और इसीलिए हर किसी का इस जीवन को देखने और जीने का तरीका बिल्कुल अलग है। इसलिए जीवन में कठिन लोगों से सामना होना तो सामान्य है, लेकिन उनसे निपटना थोड़ा चुनौतीपूर्ण और हाँ, ऐसे कठिन और चुनौतीपूर्ण लोग आपको कभी सहकर्मी, तो कभी पारिवारिक सदस्य या फिर सामाजिक दायरे के परिचित के रूप में मिल सकते हैं और इनका आपके जीवन में आने का मुख्य उद्देश्य आपके धैर्य, मानसिक शांति और भावनाओं पर नियंत्रण की परीक्षा लेना है। अगर आप अपने व्यवहार और दृष्टिकोण को संतुलित कर लें, तो ऐसे कठिन से कठिन व्यक्ति के साथ भी सहजता से निपटा जा सकता है। आइए, आज हम इस कला को 10 गोल्डन रूल्स के साथ सीखते हैं-

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

1. हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं- हर टिप्पणी प्रतिक्रिया के लायक नहीं होती। कई बार मौन ही सबसे प्रभावी उत्तर होता है। अपनी मानसिक ऊर्जा बचाएं और केवल जरूरी बातों पर ही प्रतिक्रिया दें।

2. दूसरों की अराजकता को अपनी समस्या न बनाएं- किसी का व्यवहार उसकी मानसिक स्थिति का प्रतिबिंब होता है। आपका काम खुद की शांति बनाए रखना है, ना कि हर स्थिति को नियंत्रित करना या दूसरों को बदलने की कोशिश करना।

3. स्पष्ट और स्वस्थ सीमाएँ तय करें- विनम्र लेकिन दृढ़ रहें। यह मेरे लिए सही नहीं है कहना सीखें। सीमाएँ आत्म-सम्मान की रक्षा करती हैं और आपको मानसिक थकान, अनावश्यक दबाव और भावनात्मक शोषण से बचाती हैं।

4. उनके व्यवहार की नकल न करें- यदि सामने वाला नकारात्मक है, तो आप संतुलित रहें। आपका संयम ही आपकी ताकत है। आपका व्यवहार ही आपकी पहचान बनाता है, न कि सामने वाले की प्रतिक्रिया।

5. भावनाओं नहीं, तथ्यों पर टिके रहें- कठिन बातचीत में भावनाओं के बजाय तथ्यों पर ध्यान दें। तथ्य विवाद खत्म करते हैं, भावनाएँ उसे बढ़ाती हैं और आपको अधिक प्रभावी, स्पष्ट और सम्मानजनक संवाद स्थापित करने में मदद करती हैं।

6. हर किसी के सलाहकार बनने की जरूरत नहीं- हर समस्या को सुलझाना आपकी जिम्मेदारी नहीं है। अपनी ऊर्जा को सही जगह निवेश करें और उन चीजों पर ध्यान दें जो वास्तव में आपके जीवन को आगे बढ़ाती हैं।

7. प्रतिक्रिया से पहले विराम लें- तुरंत जवाब देने के बजाय थोड़ा रुकें। सोच-समझकर दिया गया उत्तर हमेशा बेहतर होता है और यह आपको अनावश्यक विवाद, पछतावे और गलतफहमियों से दूर रखता है।

8. विषाक्त बातचीत से दूरी बनाएं- यदि बातचीत नकारात्मक हो रही है, तो विषय बदलें या बाहर निकल जाएँ। हर लड़ाई लड़ना जरूरी नहीं होता और आपकी शांति किसी भी बहस या तर्क से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

9. एक कदम आगे सोचें- लोगों के व्यवहार के पैटर्न को समझें और पहले से तैयार रहें। तैयारी आपको शांत और नियंत्रित रखती है और आपको हर परिस्थितियों में बेहतर निर्णय लेने और संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

10. अपने भरोसेमंद लोगों से बात करें- अपने अनुभव साझा करें। सही लोगों से सलाह लेना मानसिक मजबूती को बढ़ाता है और आपको नए दृष्टिकोण और भावनात्मक सहारे के साथ सही दिशा में सोचने की शक्ति देता है।

अंत में इतना ही कहूँगा कि कठिन लोगों से निपटना केवल एक कौशल नहीं, बल्कि आत्म-विकास की प्रक्रिया है। जब आप अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं, सीमाएँ तय करते हैं और अपनी शांति को प्राथमिकता देते हैं, तब आप सिर्फ परिस्थितियों को नहीं, बल्कि अपने जीवन की दिशा को भी बेहतर बना रहे होते हैं।

जनता की बात–पुलिस के साथः मोहल्ला बैठकों से मजबूत हो रहा भरोसे का रिश्ता

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में पुलिस और आमजन के बीच संवाद को मजबूत बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत जनता की बात–पुलिस के साथ अभियान के अंतर्गत भंवरकुआं थाना क्षेत्र में मोहल्ला समिति बैठक एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस पहल का उद्देश्य न केवल लोगों की समस्याओं को सुनना है, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास की मजबूत नींव तैयार करना भी है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-04 आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल, सहायक पुलिस आयुक्त विजय चौधरी तथा थाना प्रभारी संतोष दूधी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी, छात्र-छात्राएं और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य शामिल हुए।

युवाओं को दिया जागरूकता का संदेश

जनसंवाद के दौरान मौजूद छात्र-छात्राओं से विशेष बातचीत की गई। अधिकारियों ने उन्हें नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने, यातायात नियमों का पालन करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। इस संवाद ने युवाओं को न केवल जागरूक किया, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी किया। इंदौर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में इस तरह की मोहल्ला समिति बैठकों का सिलसिला लगातार जारी है।

पुलिस अधिकारियों द्वारा आमजन के बीच जाकर संवाद स्थापित करने की यह पहल लोगों में विश्वास और सहयोग की भावना को बढ़ा रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों और पुलिस के बीच पारदर्शिता, विश्वास और सहभागिता को बढ़ावा देना है। साथ ही सुरक्षा, साइबर फ्रॉड से बचाव, यातायात जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति लोगों को जागरूक करना भी इसका अहम हिस्सा है।

समस्याओं पर खुलकर हुई चर्चा

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने सीधे नागरिकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। क्षेत्रवासियों ने कानून-व्यवस्था, यातायात, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर अपनी चिंताएं साझा कीं। पुलिस अधिकारियों ने इन समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

कार्य प्रभार सौंपा गया

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ जनगणना कार्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील रहेगा।

भागीरथपुरा की गलियों में अचानक पहुंचे नगर निगम कमिश्नर सिंघल, रहवासियों की सीधी बात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भागीरथपुरा में पिछले दिनों सामने आए जल संकट के बाद क्षेत्र की स्थिति सुधारने के लिए नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। यहां नई पाइपलाइन बिछाने के साथ-साथ ड्रेनेज व्यवस्था और सड़कों के निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इन विकास कार्यों की वास्तविक प्रगति और जमीनी हकीकत को समझने के लिए बुधवार को नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल अधिकारियों की टीम के साथ खुद मैदान में उतरे। उन्होंने भागीरथपुरा की तंग गलियों का पैदल भ्रमण कर चल रहे कार्यों का गहराई से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय रहवासियों से सीधे संवाद कर उनका फीडबैक लिया और अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और गति सुधारने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का अवलोकन

निरीक्षण के दौरान नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने नर्मदा जल प्रदाय योजना, सीवरेज लाइन बिछाने और सड़क निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निमार्णाधीन कार्य निर्धारित समय सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। जानकारी के अनुसार, भागीरथपुरा के करीब 95 प्रतिशत हिस्सों में पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति का कार्य पूरा हो चुका है और सुचारू रूप से पानी की आपूर्ति की जा रही है। वहीं जिन क्षेत्रों में अभी काम शेष है, वहां टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश

नगर निगम कमिश्नर ने भ्रमण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण और पुनर्स्थापन (रेस्टोरेशन) कार्यों की प्रतिदिन निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी प्रकार की देरी से बचा जा सके और लोगों को जल्द राहत मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड पर सक्रिय रहकर कार्य की गति बनाए रखने के निर्देश भी दिए। दौरे के दौरान कमिश्नर ने विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति को लेकर स्थानीय लोगों से बातचीत की। उन्होंने पूछा कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में और समय पर पानी मिल रहा है या नहीं। रहवासियों ने बताया कि फिलहाल जल आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है। कुछ लोगों ने पानी की आपूर्ति के समय को लेकर सुझाव भी दिए। इस पर कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से पानी के नमूने लें और क्लोरीनेशन प्रक्रिया को गंभीरता से लागू करें, ताकि लोगों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल मिल सके।

भागीरथपुरा मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई, 14 जून को जांच आयोग को रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा पेयजल दूषित कांड को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट के समक्ष जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। हाईकोर्ट ने 14 जून तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। अगली सुनवाई 16 जून को होगी।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण 35 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने मृतकों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट में दो याचिकाएं लगी हैं। कोर्ट ने इस मामले में जांच आयोग गठित किया है। पिछली सुनवाइयों में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जवाब पेश हुआ था। उसमें 18 मौतें दूषित पेयजल के कारण स्वीकारी गई थीं। इसके अलावा एक जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें उन्होंने पेयजल लाइन में दूषित पानी मिलने व अन्य कारण बताए थे, लेकिन अभी तक इस मामले में गठित आयोग की तरफ से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। आयोग भागीरथपुरा के प्रभावित परिवारों से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कह चुका है। कुछ परिवारों ने आयोग के समक्ष मौतों को लेकर साक्ष्य भी दिए हैं। अब अगली सुनवाई 16 जून को होगी। आपको बता दें कि तीन माह पहले इंदौर के विधानसभा क्षेत्र एक की भागीरथपुरा बस्ती में दूषित पानी से डायरिया व हैजा फैला था। बस्ती में एक हजार से ज्यादा लोग इस कारण बीमार हुए थे और पांच सौ लोगों को अस्पतालों में भर्ती किया गया था। उपचार के दौरान 35 लोगों की इस मामले में मौत हो चुकी है। यह मामला राष्ट्रीय स्तर तक उछला था और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी भागीरथपुरा बस्ती में आए थे और प्रभावित परिवारों से मिले थे।

आबकारी वृत्त आंतरिक 2 द्वारा दोपहिया वाहन सहित 75 पाव देशी मदिरा जब्त

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध मदिरा के क्रय-विक्रय, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में मंगलवार को वृत्त आंतरिक 2 प्रभारी जया मुजाल्दे ने अपनी टीम के साथ बीजलपुर क्षेत्र में सायंकालीन गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर ट्रेजर टाउन कॉलोनी के पीछे छापरी नामक स्थान पर दोपहिया वाहन से 75 पाव देशी मदिरा मसाला व प्लेन के जब्त की गई। आबकारी का वाहन देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी के विरुद्ध म.प्र.आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा एवं वाहन की कुल कीमत लगभग 86000 रुपए निकाली गई है। आज की कार्यवाही में वृत्त प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक जया मुजाल्दे एवं आबकारी आरक्षक उस्मान मिर्जा, एलन बघेल और ड्राइवर रफीक का सराहनीय योगदान रहा।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर इंदौर में निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर 25 को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग, इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में 25 अप्रैल 2026, शनिवार को एक निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर पशु चिकित्सालय राज मोहल्ला, एमओजी लाइन, इंदौर में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर 1 बजे तक रहेगा। शिविर में पशुपालकों एवं पशु प्रेमियों के लिए रेबीज टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम गभार्धान, गर्भ परीक्षण तथा निःशुल्क औषधि वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस आयोजन का उद्देश्य पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ पशुपालकों को उन्नत पशुपालन सेवाओं से जोड़ना है। समस्त पशुपालकों, पशु प्रेमियों एवं स्वान प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं और अपने पशुओं के स्वास्थ्य की जांच एवं उपचार सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाना ने सपरिवार किए बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन (ग्लोबल हेराल्ड)। मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने आज उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। श्री मकवाना ने नंदी हॉल में बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन कर प्रदेश में शांति, सुरक्षा एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर के पुजारियों द्वारा शास्त्रोक्त विधि से पूजन संपन्न कराया गया एवं उन्हें शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। दर्शन के उपरांत डीजीपी ने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर निगम के एक जोन में बवाल... महिला कर्मचारी के आरोप के बाद हंगामा और पिटाई के हालात

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नगर निगम एक जोन से जुड़ा एक संवेदनशील मामला सामने आया है, जिसने कार्यस्थल के माहौल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, एक महिला कर्मचारी ने जोन के ही एक अधिकारी पर अनुचित स्पर्श (बेड टच) का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद महिला ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उसकी मां मौके पर पहुंची और आक्रोश में जमकर हंगामे के साथ संबंधित अधिकारी की पिटाई कर दी। इस घटनाक्रम के बाद दफ्तर में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। फिलहाल इस पूरे मामले पर आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अंदरखाने चचाएं तेज हैं। यह घटनाक्रम एक बार फिर कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। जबकि संबंधित अधिकारी के व्यवहार को लेकर पूर्व में भी कई शिकायतें निगम मुख्यालय तक पहुंची हैं। इसी बीच ये बवाल भी सामने आ गया है। अब नजर इस बात पर है कि नगर निगम प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और आगे क्या कार्रवाई होती है।

इंदौर के दो प्रमुख रूफटॉप रेस्टोरेंट सील, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पड़ी भारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में गर्मी तेज होते ही आग लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा अग्नि सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा और जांच के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों और व्यावसायिक संस्थानों में आग से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करना है। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ प्रशासन द्वारा निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

इसी अभियान की कड़ी में आज नगर निगम के जोन क्रमांक 07 और वार्ड क्रमांक 29 के अंतर्गत आने वाले पीयू 3 स्कीम नंबर 54 क्षेत्र में प्रशासनिक टीम ने दबिश दी। यहां भूखंड क्रमांक 13-14 और 32-33 पर स्थित भवनों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इन भवनों की छतों पर संचालित हो रहे कबीला वेज बारबेक्यूज एवं एयरन हाइट रेस्टोरेंट एंड किचन में अग्नि सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य उपकरण और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। सुरक्षा मानकों के अभाव के साथ-साथ यहां बिना किसी आधिकारिक स्वीकृति के किचन का संचालन भी किया जा रहा था।

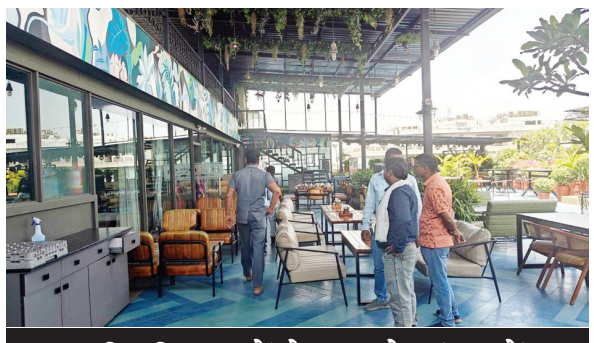

अनियमितताओं के चलते संस्थानों को किया गया तत्काल सील

रेस्टोरेंट संचालकों द्वारा बरती गई इन गंभीर अनियमितताओं और सुरक्षा के प्रति लापरवाही को देखते हुए प्रशासन ने कठोर कदम उठाया। मौके पर ही दोनों रूफटॉप रेस्टोरेंट्स को तत्काल प्रभाव से सील करने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई तहसीलदार मल्हारगंज निधि धाकड़, भवन अधिकारी जोन 07 टीना सिसौदिया, भवन निरीक्षक पीयूष मावी और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की उपस्थिति में पूरी की गई।

सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर प्रशासन की कड़ी चेतावनी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट रूप से हिदायत दी है कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले संस्थानों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी अन्य क्षेत्रों में इसी प्रकार के औचक निरीक्षण और सख्त कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा ताकि शहर के सभी व्यावसायिक परिसर पूरी तरह सुरक्षित हो सकें।

कमरे की पसंद को लेकर पत्नी से हुआ झगड़ा, पति ने दे दी जान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के प्रजापति नगर में एक युवक ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मिली जानकारी के अनुसार पति और पत्नी के बीच नए किराए के कमरे को पसंद करने जैसी छोटी सी बात पर शुरू हुई बहस इतनी बढ़ गई कि युवक ने जहरीला पदार्थ घटक लिया। उसे गंभीर अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि 35 वर्षीय नितेश पिता त्रिमत राव पीथमपुर की एक निजी कंपनी में मशीन ऑपरेटर का कार्य करता था। पहले नितेश जिस कंपनी में कार्यरत था उसकी यूनिट द्वारकापुरी क्षेत्र में ही स्थित थी लेकिन हाल ही में वह यूनिट पीथमपुर स्थानांतरित हो गई थी। कार्यस्थल से दूरी कम करने के लिए नितेश नया मकान तलाश रहा था। मंगलवार को इसी बात पर विवाद हुआ क्योंकि नितेश ने एक कमरा पसंद किया था जबकि उसकी पत्नी नंदनी किसी अन्य स्थान पर कमरा लेना चाहती थी। विवाद के बाद नितेश ने घर में ही जहर खा लिया। स्थिति बिगड़ने पर पत्नी नंदनी और रिश्तेदार अंकित उसे आनन-फानन में एमवाय अस्पताल लेकर भागे। डॉक्टरों ने नितेश को बचाने का काफी प्रयास किया परंतु जहर का असर अधिक होने के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। नितेश का जीवन संघर्षपूर्ण रहा है क्योंकि उसके माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका था और उसका पालन-पोषण रिश्तेदारों ने ही किया था। उसके परिवार में अब पत्नी और दो वर्ष की एक छोटी बेटी है।

हाईकोर्ट इंदौर में मप्र घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन समारोह आज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में गुरूवार, 23 अप्रैल को दोपहर 1:30 बजे मध्य प्रदेश घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री जस्टिस संजीव सचदेवा इस मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह समारोह उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के सभागृह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया जायेगा। समारोह में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

रातभर दमकलें बुझाती रही आग, रेलवे-डिफेंस सप्लायर कंपनियों की यूनिट भी जलकर खाक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर से 40 किलोमीटर दूर पीथमपुर के सेक्टर तीन स्थित हजारगो कंपनी में लगी आग ने आसपास की दूसरी कंपनियों की यूनिटों को भी अपनी चपेट में ले लिया। रातभर दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रहीं, लेकिन सुबह तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका।

जिस कंपनी में आग लगी, वह वेस्ट मैनेजमेंट और केमिकल कचरे के निपटान का काम करती है। आग को फैलते देर नहीं लगी और केमिकल से भरे ड्रमों में धमाके होने लगे। उस समय फैक्टरी में दस मजदूर काम कर रहे थे, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया गया।इस आग ने पास की रेलवे और डिफेंस सप्लायर कंपनियों के शेड को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग के कारण करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। आग बुझाने के लिए धार, इंदौर सहित आसपास के इलाकों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन सुबह पांच बजे तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था। आग की लपटें और धुएं के काले बादल एक किलोमीटर दूर से नजर आ रहे थे। घटनास्थल के आसपास कोई आबादी क्षेत्र नहीं था, लेकिन वहां मौजूद दुकानों और ढाबों को पुलिस ने बंद करा दिया और संचालकों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा।इंदौर से भी एसडीआरएफ की टीम देर रात पीथमपुर पहुंची और आग बुझाने के कार्य में जुट गई। हजारगो कंपनी में लगी आग की चपेट में स्लीपलूप इंडिया और गलार्ड स्टील लिमिटेड कंपनियां भी आ गईं। आग के कारण दोनों कंपनियों के बड़े प्लांट और मशीनें जल गईं, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

ट्रेन में अचानक यात्री को काट खाया चूहा, बहने लगा खून, मचा हड़कंप

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कुछ महीने पहले एयरपोर्ट पर एक इंजीनियर को चूहे के काटे जाने की घटना के बाद अब ट्रेन में भी ऐसा ही मामला सामने आया है। महोबा से इंदौर आ रही रीवा-महू एक्सप्रेस में एक यात्री को चूहे ने काट लिया, जिससे रेलवे की स्वच्छता और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार ट्रेन क्रमांक 14116 में सफर कर रहे यात्री शिवसहाय वमहोबा से इंदौर के लिए रवाना हुए थे। वे स्लीपर क्लास के एस 4 कोच में सीट नंबर 30 पर यात्रा कर रहे थे। यात्री का आरोप है कि कोच में पहले से ही गंदगी का माहौल था।

इसी दौरान अचानक एक चूहा उनके पैर पर चढ़ गया और काट लिया।

घटना के बाद उनके पैर से खून बहने लगा और तेज दर्द के साथ बुखार भी चढ़ गया। पीड़ित यात्री ने रेलवे अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई और दर्द निवारक दवाओं की मांग की। हालांकि आरोप है कि यात्रा के दौरान उन्हें समय पर कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं मिल सकी। दर्द और असहजता के बीच उन्हें पूरी यात्रा मजबूरी में पूरी करनी पड़ी। यात्री ने अपनी शिकायत रेल मदद पोर्टल पर भी दर्ज कराई। जवाब में रेलवे की ओर से आश्वासन दिया गया कि शिकायत संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। वहीं रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार चूहे के काटने से संक्रमण और गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है। ऐसे मामलों में तुरंत प्राथमिक उपचार और चिकित्सकीय देखभाल बेहद जरूरी होती है। लापरवाही गंभीर हो सकती है, यहां तक कि कुछ मामलों में प्रभावित अंग को नुकसान भी पहुंच सकता है। इस घटना ने एक बार फिर रेलवे की सफाई व्यवस्था और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों का कहना है कि नियमित सफाई और निगरानी के दावे हकीकत में कहीं नजर नहीं आते, जिससे सफर अब सुरक्षित कम और जोखिम भरा ज्यादा महसूस होने लगा है।

शादी में बिन बुलाए मेहमानों ने मचाया हंगामा, घरातियों-बारातियों से की मारपीट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के इंदौर में बीती रात एक शादी के दौरान जमकर हंगामा हुआ। घटना तेजाजी नगर क्षेत्र की है जहां एक शादी समारोह में देर रात उस वक्त हंगामा मच गया जब आपस में विवाद कर रहे कुछ युवक लड़ते-भिड़ते शादी के मंडप में जा घुसे। लड़ रहे युवकों को जब बारातियों व घरातियों ने रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने उनके साथ भी डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की और मंडप में रखीं कुर्सियां-टेबल तोड़ दीं। हमले में एक बुजुर्ग सहित 6 लोग घायल हो गए। हमले के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

थाना तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक घटना कल रात 12.15 बजे ग्राम माचला में हुई। यहां शादी की खुशियां चीख-पुकार और मातम में बदल गईं। पुलिस ने फरियादी जगराम पिता रतन बंजारा (50) मूल निवासी गोगावां जिला खरगोन की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है। फरियादी जगराम ने पुलिस को बताया कि वे ग्राम माचला में मनीषा की शादी में आए थे। मनीषा के फेरो की तैयारी चल रही थी। तभी आरोपी आपस में लड़ते-झगड़ते हुए सीधे मंडप में घुस आए। जब घरातियों ने उन्हें मंडप से दूर जाने को कहा तो आरोपियों ने गालियां देना शुरू कर दी। उन्होंने लात-घूंसों और डंडे से हमला कर दिया। इससे शादी के मंडप में हड़कंप मच गया। बदमाशों ने मंडप में रखी कुर्सियां-टेबल उठाकर फेंकी और तोड़ दीं।

एक बुजुर्ग सहित 6 लोग घायल

फरियादी जगराम ने पुलिस को बताया कि मारपीट में उसे आंख के पास चोट आई। जबकि 70 वर्षीय समधी लक्ष्मण बंजारा को सिर, चेहरे, हाथ, गर्दन और पीठ पर चोट लगी। इसी तरह समधन गंगाबाई को कमर और पीठ में चोट आई। लक्ष्मण के बेटे जगदीश को सिर, चेहरे व हाथ, कलाबाई को चेहरे पर और पुरकिया उर्फ प्रेम चौहान को कंधे और कनपटी पर चोट आई। शोर सुनकर अन्य लोग बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और मौके से भाग गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। घायल बुजुर्ग लक्ष्मण की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

एमपी में भीषण सड़क हादसा, एक साथ उठीं 6 अर्थियां, शादी वाले गांव में पसरा मातम

बड़वानी ■

बडराजमार्ग पर मौत ने बारात का रास्ता छीन लिया। खरगोन रोड पर टोल प्लाजा के पास बोलेरो और टैंकर की आमने-सामने टक्कर में छह युवकों की जान चली गई। बोलेरो एमपी 46 टी 0894 में सात युवक सवार थे। ये सभी राजपुर के पास अतरसंभा गांव से रूई गांव आई बारात में शामिल होने आए थे। इनमें दूल्हे का भाई यशवंत भी था। बताया गया कि युवक रूई से जुलवानिया डीजल भरवाने आए थे। डीजल भरवाकर रूई लौट रहे थे। तभी जुलवानिया और रूई के बीच टोल प्लाजा के पास खरगोन से आ रहे टैंकर एमपी 09 बीजी 5750 से बोलेरो भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

सचिन पिता गोकुल वास्कले (25) निवासी पटेलपुरा साकड़, प्रद्युगन पिता गुलीचंद

सहिते (25) निवासी सालखेड़ा और पह्लश्वपू पिता हीरालाल भिलाला (32) निवासी लिंबाई की मौके पर ही मौत हो गई। दो युवकों के शव बोलेरो में बुरी तरह फंस गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर शवों को निकाला। गंभीर घायल आकाश पिता दयाराम (25) निवासी रालामंडल सिवाई व सोहन पिता झबरसिंह बघेल (28) निवासी सालखेड़ा ने जुलवानिया अस्पताल में दम तोड़ दिया। सुरेश पिता मांगीलाल (28) निवासी देवझिरी, और यशवंत पिता सुपडिया (30) निवासी अतरसंभा को बड़वानी रेफर किया गया। परिजन यशवंत को निजी वाहन से बड़वानी ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। यशवंत को मिलाकर हादसे में छह लोगों की मौत हो गई।

गांव में पसरा मातम

हादसे की खबर मिलते ही रूई में बारात का माहौल गमगीन हो गया। जुलवानिया अस्पताल में शवों के बीच परिजनों की चीखें गूंज उठीं। शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। शादी को जल्द निपटाकर लोग अर्थी की तैयारियों में जुट गए । पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टैंकर जइत कर चालक की तलाश जारी है।

बंद पड़ी एंबुलेंस

बड़े हादसों के लिए जुलवानिया पॉइंट पर 108 एंबुलेंस तैनात की गई थी। मकसद था कि गंभीर घायलों को गोल्डन ऑवर में इलाज मिले और समय रहते बड़वानी रेफर किया जा सके। पर मंगलवार को जब छह जिंदगियां सांसों से लड़ रही थीं, तब एंबुलेंस सुधार के लिए बंद खड़ी थी। जिम्मेदारों की लापरवाही ने सिस्टम की पोल खोल दी। हाईवे के हादसों को देखते हुए ये एंबुलेंस दी गई थी, लेकिन आज जब जरूरत पड़ी तो, एंबुलेंस को ही इलाज की जरूरत थी। देर से अंजड़ पॉइंट से आई 108 एंबुलेंस दो घायलों को लेकर राजपुर में खराब होकर खड़ी हो गई। इससे पहले यशवंत को परिजन निजी वाहन से बड़वानी ले गए, जिसने रास्ते में दम तोड़ दिया। सवाल उठता है। यदि एंबुलेंस चालू होती तो क्या एक जान नहीं बच जाती?

23 लाख का घोटाला: बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में फर्जी खातों से निकाली रकम

एमपी ईओडब्ल्यू ने की 8 कर्मचारियों पर एफआईआर

भोपाल ■

मध्य प्रदेश आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने मुरैना स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में करीब 23 लाख रुपये के गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। जांच के बाद 8 बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। ईओडब्ल्यू को बैंक प्रबंधन की शिकायत के आधार पर यह मामला मिला था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वर्ष 2013 से 2016 के बीच शाखा में पदस्थ रहे हेड कैशियर महेंद्र सिंह बाजौरिया सहित अन्य कर्मचारियों

ने मिलकर ग्राहकों के खातों से अवैध रूप से रकम निकाली। आरोपियों में गौरीशंकर राम, ऋचि तिवारी, इंद्रनाथ विश्वास, विकास शर्मा, विकास त्रिवेदी, विजय कुमार मेहता और सौरभ मिश्रा के नाम शामिल हैं।

फर्जी खातों और दस्तावेजों का खेल

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी आईडी का उपयोग कर फर्जी बचत खाते खोले। इसके अलावा कुछ वास्तविक खातों का भी दुरुपयोग किया गया। आठ खाताधारकों की 11 एफडीआर (फिक्स्ड डिपॉजिट) को समय से पहले बंद कर दिया गया और प्राप्त राशि को फर्जी खातों में ट्रांसफर कर लिया गया। आरोप है कि इस पूरी साजिश के तहत करीब 23,09,450 रुपये की राशि को जाली वाउचरों और फर्जी दस्तावेजों के जरिए निकाल लिया गया। यह रकम खाताधारकों की जानकारी के बिना ट्रांसफर और आहरित की गई।

बारात में नाच-गाने के बीच गूंजा ठाय-ठाय, युवक की गई जान, एक घायल

राजगढ़ ■

मध्य प्रदेश के राजगढ़ में सनसनीखेज मामले ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। ब्यावरा शहर में एक शादी समारोह में की गई एक लापरवाही ने खुशियों को मातम में बदल दिया। यहां एक युवक की लापरवाही ने व्यक्ति की जान ले ली। यही नहीं, एक शख्स बुरी तरह घायल भी हो गया। पुलिस अज्ञात व्यक्ति पर मामला दर्ज जांच में जुट चुकी है। घटना 21 अप्रेल की रात 1 से 1.10 बजे के बीच की बताई जा रही है।

मामला कुंभराज थाना क्षेत्र के ग्राम घाटाखेड़ी का है। यहां मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात हर्ष फायर के दौरान चली गोली से एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मिली जानकारी के मलावर थाना क्षेत्र के गांव गिंदौरमीणा के रहने वाले राहुल मीणा(28) पिता गजराज मीणा की बारात 21 अप्रैल की रात घाटाखेड़ी

गांव में मजबूतसिंह मीणा की बेटी शिवानी के विवाह के लिए पहुंची थी। रात करीब एक बजे बारात पहुंची। यहां स्वागत के दौरान घर के आंगन में बरात में ही आए एक अज्ञात युवक ने हर्ष फायर कर दिया। फायरिंग के दौरान चली गोली घाटाखेड़ी निवासी घनश्याम मीना (30) पिता बालकृष्ण मीना के कंधे के पास लगी। गंभीर चोट के चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घटना में चंदनसिंह मीना निवासी कानाखेड़ी घायल हो गया। घायल चंदनसिंह को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

गिंदौरमीणा के युवक की लाइसेंसी बंदूक से फायर

मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि बारात में शामिल गिंदौरमीणा निवासी श्रवण मीना द्वारा लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से हर्ष फायर किया गया था। हालांकि, इस बात की पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और अज्ञात आरोपी के खिलाफ जांच जारी है। टीआई कुंभराज पंकज त्यागी का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश जारी है। इस घटना में दुल्हन के गांव घाटाखेड़ी निवासी व्यक्ति की मौत हुई है। वह गांव का ही है और शादी में शामिल होने आया था। वहीं, गिंदौरमीणा से बरात में गए श्रवण मीणा द्वारा हर्ष फायर करने की बात की जा रीह है। जो सीधी घनश्याम को जाकर लगी। हालांकि कुंभराज थाना पुलिस ने फरियादी रामजीवन मीना (36) निवासी घाटाखेड़ी की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया है। मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

300 मेहमान करते रहे इंतजार, 1 बजे खुली पोल, बर्बाद होने से बच गई एक बेटी की जिंदगी

दमोह ■

सिटी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में सोमवार की रात एक बड़ा फजीर्वाड़ा शादी समारोह के दौरान सामने आया है। गनीमत रही कि लकड़ी पक्ष के लोगों ने थोड़ी समझदारी दिखाई, नतीजन उनकी लड़की की जिंदगी बर्बाद होने से भी बच गई। यह पूरा खेल फेसबुक से शुरू हुआ और अब थाने पहुंच चुका है।

दरअसल, रेलवे इंस्टीट्यूट हॉल में दमोह की रैकवार समाज की एक लड़की की शादी शाजापुर के लड़के से होना थी। लड़की पक्ष ने पूरी तैयारियां कर रखी थीं, टेंट सजा था, घोड़ी बग्गी, बाजा वाले सब तैयार थे। न्यौते पर 300 से अधिक लोग भोजन करने भी पहुंचे थे, लेकिन रात 1 बजे तक जब बारात नहीं पहुंची तो, लड़की वालों को संदेह हुआ और उसके बाद जो खुलासे हुए उसने सभी के होश उड़ा दिए। बारात, वरमाला, फेरे हर चीज की तैयारी थी, लेकिन लड़का मोनू और उसके साथ दो अन्य लोग ही वर पक्ष से मौजूद थे। लड़की वालों ने जब बारात का पूछा तो बस से रात 11 बजे तक आना बताया गया। इसके बाद बारात की बस गढ़ाकोटा में खराब होना बताया और फिर रात 1 बजे तक बहानेबाजी चलती रही। इस बीच जब परिजनों को संदेह हुआ तो, दूल्हा सहित तीनों से सख्ती से पूछताछ की गई। बाद में पूरा मामला बड़े फ्रॉड से जुड़ा समझ आने लगा और पुलिस बुलाकर तीनों को उनके सुपुर्द किया गया। पूरा फ्रॉड सामने आने के बाद जब परिजनों ने दूल्हा और उसके साथ आए दो लोगों से पूछताछ की, तो दूल्हे ने खुद के अलग-अलग नाम बताए। महू में रेलवे में नौकरी में नहीं होना भी बताया।

बिजासन की डबल पुलिया पर ट्रक के उड़े परखच्चे, दो की मौत

बड़वानी ■

बड़वानी जिले के सेंधवा के पास मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बिजासन घाट के ब्लैक स्पॉट पर ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में दो लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 2 बजे बिजासन घाट के डबल पुलिया के बीच एक तेज रफ्तार ट्रक आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया।

केबिन में फंसे चालक

हादसे के बाद ट्रक में सवार चालक और सहचालक केबिन में बुरी तरह फंस गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका।

मृतकों की पहचान चालक अब्दुल पिता हबीब अंसारी और सहचालक जगन्नाथ पिता मगनजी दांगी निवासी लाहौरिया तहसील सुसनेर, जिला शाजापुर के रूप में हुई है। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हादसे की वजह

पुलिस के अनुसार, इंदौर-मुंबई मार्ग पर ट्रेलर (टीएन 88 एम 1053) घाट उतर रहा था, तभी पीछे से आ रहा ट्रक (एमपी 09 एचएच 8867) उसमें जा घुसा। बिजासन चौकी प्रभारी रोहित पाटीदार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना माना जा रहा है।

हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाया। पुलिस की सक्रियता के चलते नेशनल हाईवे पर यातायात बाधित नहीं हुआ और आवाजाही सुचारू बनी रही। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के पीएम रूम में रखवाया है और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मर्ग कायम कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

30 दिन में फिर शुरू होंगे आरटीओ चेक पोस्ट, सरकार को राहत के साथ सख्त निर्देश

जबलपुर ■

जबलपुर में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरटीओ चेक पोस्ट बंद किए जाने से जुड़े अवमानना मामले का निपटारा करते हुए राज्य सरकार को 30 दिनों की मोहलत दी है। कोर्ट ने साफ निर्देश दिए हैं कि तय समय में चेक पोस्ट दोबारा शुरू किए जाएं, अन्यथा अवमानना याचिका फिर से दायर की जा सकेगी। यह मामला सतना निवासी रजनीश त्रिपाठी द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जुबीन प्रसाद ने पक्ष रखा। यह जनहित याचिका वर्ष 2006 में वाहनों की ओवरलोडिंग और सड़क हादसों को रोकने के उद्देश्य से दायर की गई थी। सरकार ने वर्ष 2023 में हलफनामे के जरिए आश्वासन दिया था कि राज्य में चेक पोस्ट चालू रहेंगे और ओवरलोडिंग रोकने के लिए अन्य उपाय भी किए जाएंगे। लेकिन इसके बाद 30 जून 2024 से आरटीओ चेक पोस्ट बंद कर दिए गए, जिसके बाद अवमानना याचिका दायर की गई। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने सुनवाई के बाद सरकार को 30 दिनों के भीतर चेक पोस्ट फिर से शुरू करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार पहले दी गई अंडरटेकिंग का पालन करे और चेक पोस्टों का संचालन बहाल करे।

मेट्रो के लिए चाहिए 80 एकड़ जमीन तत्काल आदेश जारी , भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई तेज

भोपाल ■

भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए 80 एकड़ जमीन तुरंत चाहिए। इसके लिए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा तत्काल आदेश जारी करते हुए एक्सचेंज स्टेशन के लिए आरा मशीरों को शिफ्ट करने को कहा है। साथ ही भूमि अधिग्रहण से जुड़े प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के भी निर्देश दिए। धारा 19 के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने एमआइडीसी, वन एवं राजस्व विभाग केअधिकारियों को भी निर्देशित किया कि मेट्रो निर्माण से प्रभावित आरा मशीनो के स्थानांतरण की कार्रवाई

जल्द पूरी करें।

सभी एसडीएम को मिशन मोड में काम करने का कहा गया। उन्होंने चिन्हित भूमि का सीमांकन कर कंपनी को सौंपने के भी निर्देश दिए। जहां कहीं मेट्रो में भूमि संबंधी विवाद उत्पन्न हो, वहां प्रकरण को कलेक्टर के संज्ञान में लाकर उसका त्वरित समाधान कराने का कहा है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर भूमि संबंधी कोई विवाद नहीं है, वहां मेट्रो कंपनी काम शुरू करे।

ऑरेंज लाइन का चल रहा काम

गौरतलब है कि भोपाल मेट्रो परियोजना के अंतर्गत ऑरेंज लाइन (प्रायोरिटी कॉरिडोर) सुभाष नगर से केन्द्रीय विद्यालय बोर्ड ऑफिस चौराहा होते हुए एम्स तक विकसित की जा रही है। इसके अतिरिक्त ब्लू लाइन रूट भदभदा डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, लाल परेड मैदान, पुल बोगदा, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहा तक प्रस्तावित है। बैठक में अपर कलेक्टर सुमित पांडे, मेट्रो मंडल प्रबंधक, नगर निगम के अपर आयुक्त सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं एसडीएम उपस्थित थे।

3.36 किमी की अंडरग्राउंड लाइन

वहीं दूसरी ओर मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 3.36 किमी लंबाई की अंडरग्राउंड लाइन बनाना तय है। ऐशबाग से डीआइजी बंगला, सिंधी कॉलोनी तक भोपाल स्टेशन व नादरा बस स्टैंड होते हुए काम होगा। इसे पूरा करने शुरूआत में तीन से चार माह का लक्ष्य तय किया था।

महिला की जांच रिपोर्ट देख कर दिया पुरुष का इलाज, मौत

ग्वालियर ■

अंचल के सबसे बड़े जया आरोग्य अस्पताल (जेएएच) में बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुरुष मरीज का इलाज किसी महिला की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कर दिया गया। गलत रिपोर्ट और गलत इलाज से मरीज की मौत हो गई।

यह आरोप लगाते हुए मरीज की बेटी ने गजराराजा मेडिकल कॉलेज डीन से शिकायत कर जांच की मांग की है। पीड़ित परिवार को मदद देने भी बात कही। गुढ़ा की रागिनी जाधव ने डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ से शिकायत की है। पिता दिलीप राव को घबराहट होने पर 18 अप्रेल को रागिनी जाधव ने दोपहर 2.30

बजे जेएएच में भर्ती कराया था। अस्पताल की लैब से मिली रिपोर्ट में दिलीप के बजाय पुष्पा नामक महिला का नाम था। परिजन ने दावा किया, डॉक्टरों ने इसे नजरअंदाज कर इसी रिपोर्ट के आधार पर इलाज कर दिया। डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ कहा, मामला गंभीर है। रिपोर्ट पर नाम गलत होने के बाद इलाज कैसे किया गया। जांच के लिए समिति बनेगी। दोषी पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

वेल्थ क्रिएशन के अचूक 'थंब रूल्स' जो महंगाई के चक्रव्यूह को भेदकर खड़ी करेंगे आपकी आर्थिक सल्तनत

क्या आप जानते हैं कि आपके बैंक खाते में बढ़ता हुआ बैलेंस कभी-कभी एक 'खूबसूरत वित्तीय छलावा' भी हो सकता है?

अधिकतर निवेशक इस भ्रम में जी रहे हैं कि उनका पैसा बढ़ रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि वे एक ऐसी ट्रेडमिल पर दौड़ रहे हैं जहाँ रफ्तार तो बहुत है, लेकिन रास्ता कभी भी तय न होता है। आज के दौर में असल रईस वह नहीं है जो सिर्फ निवेश करता है, बल्कि वह है जो समय, लागत, टैक्स और महंगाई के उस चतुर्भुज जाल को भेदना जानता है जो चुपचाप आपकी मेहनत की कमाई को लील रहा है।

डॉ. नितिन जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

अगर आप भी इस जटिल वित्तीय चक्रव्यूह से निकलकर एक ऐसी ' ऑटोमेटेड मनी मशीन' खड़ी करना चाहते हैं जो आपके सोते समय भी आपके लिए दौलत का सृजन करे, तो आपको निवेश के इन १० ट्राइड एन्ड टेस्टेड सक्सेस मेट्रिक्स' को अपने पोर्टफोलियो में आज और अभी शामिल करना चाहिए।

1. रूल ऑफ 70: महंगाई का अदृश्य दीमक- यह नियम बताता है कि महंगाई आपके पैसे की खरीदने की शक्ति को कितने समय में आधा कर देगी। उदाहरण के तौर पर, यदि महंगाई दर 7% है, तो 70 को 7 से भाग देने पर 10 आता है। यानी आज जो कार 10 लाख की है, 10 साल बाद वह 20 लाख की होगी। हानिः यदि आप अपना पैसा सिर्फ सेविंग्स अकाउंट (3% ब्याज) में रखते हैं, तो आपका पैसा महंगाई से हार रहा है। 10 साल बाद आपके पास पैसे तो होंगे, लेकिन आप उनसे आधा सामान भी नहीं खरीद पाएंगे। यह आपकी 'पर्चेजिंग पावर' की सीधी हत्या है।

2. इन्वेस्टमेंट डबल करने टाइम थंब रूल :72, 114 और 144 - ये नियम आपको बताते हैं कि अलग-अलग लक्ष्यों के लिए आपको कितना समय चाहिए। रूल ऑफ 72 (दोगुना) के तहत यदि आप 12% रिटर्न वाले म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो 6 साल में पैसा दोगुना होगा। रूल ऑफ 114 (तिगुना) के अनुसार उसी 12% पर 9.5 साल में पैसा तीन गुना होगा, जबकि रूल ऑफ 144 (चौगुना) के अनुसार 12 साल लगेंगे। हानिः इन नियमों की जानकारी न होने पर निवेशक गलत लक्ष्य तय करते हैं। यदि आप 7% वाली स्कीम में पैसा तिगुना करने की सोच रहे हैं, तो आपको 16 साल से ज्यादा लगेंगे। समय का सही आकलन न होना आपके वित्तीय भविष्य को असुरक्षित बना देता है।

3. रूल ऑफ 69: सटीकता का पैमाना- यह नियम उन फंड्स के लिए है जहाँ पैसा हर रोज या हर महीने कंपाउंड होता है (जैसे म्यूचुअल फंड ग्रोथ स्कीमें)। उदाहरण के लिए, 69 को ब्याज दर से भाग देकर उसमें 0.35 जोड़ें। यह 'रूल ऑफ 72' से अधिक सटीक परिणाम देता है। हानिः प्रोफेशनल पोर्टफोलियो मैनेजर के लिए 0.5% का अंतर भी करोड़ों का होता है। इस सटीकता की कमी से बड़े निवेशक अपने 'एग्जिट प्लान' में बड़ी चूक कर सकते हैं।

4. 100 माइनस उम्र का सिद्धांत: एसेट एलोकेशन- यह तय करता है कि जोखिम और सुरक्षा का अनुपात क्या हो। उदाहरण के तौर पर, यदि उम्र 30 वर्ष है, तो 100 - 30 = 70% पैसा शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में होना चाहिए। हानिः यदि कोई युवा 30 की उम्र में सारा पैसा सिर्फ एफडी या गोल्ड में रखता है, तो वह 'अपॉर्चुनिटी कॉस्ट' खो रहा है। वह कंपाउंडिंग की उस शक्ति का लाभ नहीं उठा पाता जो उसे रिटायरमेंट तक करोड़पति बना सकती थी।

5. लागत प्रबंधनः एक्सपेंस रेशियो का खेल- निवेश में 'फीस' चुपके से आपका मुनाफा खा जाती है। उदाहरण के लिए, एक फंड 1.5% फीस लेता है और दूसरा 0.5%। सुनने में यह 1% मामूली लगता है, लेकिन 30 साल के निवेश में यह आपकी कुल मैच्योरिटी वैल्यू का 30% हिस्सा कम कर सकता है। हानिः अज्ञानता में 'रेगुलर प्लान' चुनना आपके मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा एजेंटों के कमीशन में बांट देता है। हमेशा 'Direct' फंड्स को प्राथमिकता देना ही समझदारी है।

6. वित्तीय अनुशासनः 50-30-20 और 40% ईएमआई नियम- यह आपके कैश फ्लो को नियंत्रित करता है। 50% जरूरत, 30% इच्छा और 20% अनिवार्य निवेश का संतुलन बनाएं। साथ ही, आपकी सभी किश्तें (ईएमआई) आय के 40% से अधिक न हों। हानिः यदि ईएमआई 40% से ऊपर जाती है, तो आप 'डेट ट्रैप' (कर्ज के जाल) में फंस जाते हैं। ऐसी स्थिति में एक भी महीने की आय रुकने पर आपका पूरा निवेश पोर्टफोलियो बिखर सकता है।

7. रूल ऑफ 15-15-15: करोड़पति बनने का ब्लूप्रिंट-यह नियम विशेष रूप से उन युवाओं के लिए है जो जल्दी रिटायर होना चाहते हैं। यदि आप 15,000 प्रति माह की SIP, 15 साल तक करते हैं और आपको औसतन 15% का सालाना रिटर्न मिलता है, तो 15 साल बाद आपके पास 1 करोड़ का फंड होगा। हानिः इस अनुशासन की कमी का मतलब है कि आप कंपाउंडिंग के 'मैजिक कर्व' तक कभी पहुँच ही नहीं पाते। अधिकांश लोग 5-6 साल में निवेश रोक देते हैं, जिससे वे उस विशाल धन से वंचित रह जाते हैं जो निवेश के अंतिम वर्षों में सृजित होता है।

8. रूल ऑफ 25: रिटायरमेंट का मैजिक नंबर- यह नियम बताता है कि आपको काम छोड़ने के लिए कुल कितने पैसे की जरूरत है। आपका कुल संचित कोष आपके वर्तमान वार्षिक खर्च का कम से कम 25 गुना होना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आपका सालाना खर्च ?10 लाख है, तो आपको रिटायर होने के लिए ?2.5 करोड़ की जरूरत है। हानिः इस गणना के बिना रिटायर होना एक 'वित्तीय आत्महत्या' जैसा है। बिना स्पष्ट लक्ष्य के निवेश करने वाले लोग अक्सर रिटायरमेंट के कुछ वर्षों बाद ही पैसे की तंगी का सामना करने लगते हैं।

9. 4% विड्रॉल नियमः सस्टेनेबल इनकम- यह रिटायरमेंट के बाद पैसा निकालने का सुरक्षित पैमाना है। रिटायरमेंट के बाद, अपने कुल फंड का केवल 4% हिस्सा ही प्रति वर्ष खर्च के लिए निकालें। इससे आपका मूल धन सुरक्षित रहेगा और महंगाई के बावजूद आपका पैसा कभी खत्म नहीं होगा। हानिः जो लोग रिटायरमेंट फंड से अनियंत्रित पैसा निकालते हैं, वे अक्सर 'सीक्वेंस ऑफ रिटर्न रिस्क' का शिकार हो जाते हैं और उनका फंड समय से पहले समाप्त हो सकता है।

10. रूल ऑफ 5%: पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन- यह नियम आपको किसी एक जगह बड़ा नुकसान होने से बचाता है। आपके कुल निवेश का 5% से अधिक हिस्सा किसी एक कंपनी के शेयर या एक ही सेक्टर के फंड में नहीं होना चाहिए। हानिः अक्सर निवेशक 'एक ही टोकरी में सारे अंडे' रखने की गलती करते हैं। यदि वह विशेष सेक्टर या कंपनी संकट में आती है, तो निवेशक का पूरा पोर्टफोलियो तबाह हो जाता है।

यदि आपने सोते समय पैसा कमाने का रास्ता नहीं ढूंढा, तो आपको मरते दम तक काम करना पड़ेगा। असली रईस वह नहीं है जो सिर्फ ज्यादा कमाता है, बल्कि वह है जो इन नियमों के जरिए अपने पैसे को एक 'मनी मशीन' में बदल देता है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

एमपी हाईकोर्ट ने रजिस्ट्री पर लगाई रोक, यथास्थिति पर उप पंजीयकों को सर्कुलर जारी करने के दिए निर्देश

ग्वालियर ■

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्टे के बावजूद रजिस्ट्री पर सख्त रुख दिखाया है। हाईकोर्ट की ग्वालियर बैंच ने ऐसी रजिस्ट्री पर रोक लगाई है। भिंड के एक प्रकरण में याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये निर्देश दिए। कोर्ट की एकल पीठ ने न्यायालय के 'यथास्थिति' आदेश के बावजूद जमीन की रजिस्ट्री किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। इसके साथ ही कोर्ट ने पंजीयन महानिरीक्षक को निर्देश दिए हैं कि एक माह के भीतर सभी उप पंजीयकों को सर्कुलर जारी कर स्पष्ट करें कि जिन संपत्तियों पर न्यायालय की रोक हो, वहां रजिस्ट्री न की जाए और ऐसे प्रकरण लंबित रखे जाएं।

कोर्ट ने कहा है कि यदि संबंधित जमीन का नामांतरण हो चुका है, तो उसे तत्काल निरस्त किया जाए। इसके लिए भिंड कलेक्टर को निर्देश दिए गए हैं। मामले में याचिकाकर्ता जितेन्द्र गुप्ता ने बताया, भिंड जिले के फूफ क्षेत्र में स्थित विवादित जमीन पर 7 फरवरी 2023 को हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। इसके बावजूद 10 फरवरी को संबंधित पक्ष आशा प्रिया ने जमीन की रजिस्ट्री करा दी। सुनवाई के दौरान महिला दो वर्ष तक पेश नहीं हुई। गिरफ़्तारी वारंट जारी होने के बाद पुलिस उसे कोर्ट में पेश कर सकी, जहां उसने अंततः माफी मांग ली।

झूठे हलफनामे पर जुमार्ना

मामले में झूठा हलफनामा देने पर महिला के ससुर जगदीश चंद्र पर भी 25 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। उन्होंने कोर्ट में गलत जानकारी दी थी कि आशा प्रिया पेशी पर नहीं आई थीं, जबकि साक्ष्यों से यह गलत साबित हुआ। उम्र को देखते हुए कोर्ट ने नरमी बरतते

हुए जुमार्ना जमा करने पर राहत प्रदान की।

सजा की जगह सेवा का विकल्प

कोर्ट ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए महिला को शर्तों के साथ राहत दी है। उसे 15 मई 2026 तक खरीदार को राशि लौटाकर रजिस्ट्री निरस्त करानी होगी। साथ ही, अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए 2 लाख रुपए जमा कर 5 वाटर कूलर और 5 वाटर प्यूरीफायर कोर्ट परिसर में लगवाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख बिंदु

■ स्टे के बावजूद रजिस्ट्री पर हाईकोर्ट सख्त ■ 7 फरवरी 2023 को हाईकोर्ट ने दिया था आदेश ■ संपत्ति को यथास्थिति में रखने को कहा ■ आदेश के तीन दिन बाद बेच दी थी जमीन ■ हाईकोर्ट ने ऐसे मामले में रजिस्ट्री पर रोक लगाई ■ उप पंजीयकों को सर्कुलर जारी करने के निर्देश ■ लापरवाही पर सिटी प्लानर व भवन अधिकारी को नोटिस।

इधर ग्वालियर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने एबीपीएएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर सहायक नगर निवेशक महेन्द्र अग्रवाल और भवन अधिकारी राकेश कश्यप को कारण बताओ नोटिस जारी किया। निगम ने स्पष्ट किया कि नागरिक शिकायतों के समाधान में देरी बर्दाश्त नहीं होगी।

भोपाल से गुजरने वाली 24 ट्रेनों को किया डायवर्ट

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर समर सीजन का असर साफ नजर आ रहा है। जहां प्लेटफार्म पर यात्रियों की गहमागहमी बनी रहती है वहीं सभी ट्रेनें खचाखच भरी आ रहीं हैं। समर सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है पर इसके बावजूद दिक्कत कम नहीं हुई। रेलवे के मेंटेनेंस ने यात्रियों को मिलने वाली राहत को घटा दिया है। एक बार फिर रेलवे मेंटेनेंस के चलते भोपाल से गुजरने वाली कई ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है। इससे यात्रियों की परेशानी खासी बढ़ गई है। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों के मुताबिक, मेंटेनेंस के चलते भोपाल से गुजरने वाली 24 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है।

शादी का कार्ड देने आए, पैर छुए और महिला के सिर में गोली मारी

शिवपुरी ■

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस के तेंदुआ थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थाना क्षेत्र के डेहरवारा गांव में रहने वाली एक महिला की बुधवार दोपहर को घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया जो शादी का कार्ड देने के बहाने घर पर आए थे, आरोपियों के दरवाजा खटखटाने पर जैसे ही महिला ने दरवाजा खोला तो आरोपियों ने महिला के पैर छुए और फिर उसके सिर में गोली मारकर फरार हो गए। घटना के वक्त महिला के साथ घर में उसकी नातिन भी घर पर थी। परिजनों की मानें तो मामला जमीनी रंजिश से जुड़ा हुआ है और इस पूरे हत्याकांड में किसी परिचित का हाथ हो सकता है।

ग्राम डेहरवारा निवासी रामसखी धाकड़(65 वर्ष) बुधवार को अपने मकान में थी, घर में उसके साथ उसकी बहू और नातिन भी थी। दोपहर करीब तीन बजे बाइक सवार तीन युवक आए और शादी का कार्ड देने की बात कहकर दरवाजा खुलवाया। जैसे ही रामसखी बाहर आईं तो एक युवक ने उनके पैर छुए और तुरंत सिर में कट्टे से गोली मार दी। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। घटना इतनी जल्द हुई कि कोई कुछ समझ नहीं पाया। मौके पर मौजूद वृद्धा की नातिन राधिका धाकड़ मौजूद थी, जिसने पूरी वारदात देखी और गोली चलने के बाद घर के अन्य लोग भागकर मौके पर आए।

महिला ने की थी दूसरी शादी

परिजनों ने बताया कि रामसखी की दो शादियां हुईं थीं और अभी वह अपने दूसरे पति लक्ष्मीनारायण धाकड़ के साथ रह रही थी। लक्ष्मी नारायण की पहली पत्नी से तीन बेटे और दो बेटियां थीं, जबकि रामसखी अपने पहले पति से जन्मे बेटे मुनेश को अपने साथ लाई थी। रामसखी की लक्ष्मीनारायण से कोई संतान नहीं हुई, लेकिन उन्होंने सभी बच्चों का पालन-पोषण किया। वर्तमान में मुनेश धाकड़ इंदौर में अपने परिवार के साथ रहता है और हाल ही में अपनी मां के इलाज के लिए गांव आया हुआ था। इस पूरे घटनाक्रम में मृतिका के भाई महेश धाकड़ ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि लक्ष्मी नारायण के नाम की करीब 35 बीघा जमीन का बंटवारा हो चुका था, जिसमें रामसखी अपने हिस्से की जमीन बेटे मुनेश के नाम करना चाहती थीं और इसकी प्रक्रिया भी चल रही थी। पर रामसखी के सौतेले बेटे शिवराज धाकड़, साहब सिंह धाकड़ व रामकृष्ण धाकड़ जमीन मुनेश के नाम करने के विरोध में थे।

महानगरों की तर्ज पर बनना है अंतर्राज्यीय बस स्टैंड, लैंडयूज न बदलने से अटका आइएसबीटी

कटनी ■

शहरवासियों और बस यात्रियों को जल्द ही राहत दिलाने के लिए महानगरों की तर्ज पर पुरैनी में अंतर्राज्जीय बस स्टैंड का निर्माण कराया जाना है। 2017 में हुई मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अबतक यह योजना शहर में मूर्त रूप नहीं ले पाई है।

यह परियोजना परिवहन विभाग और प्रशासन के अधीन थी, लेकिन अब इसकी जिम्मेदारी नगर निगम को सौंप दी गई है। नगर निगम द्वारा इस योजना पर एकदम सुस्त गति से काम किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा 3 जुलाई को ट्रांसपोर्ट नगर के समीप 6 हेक्टेयर से अधिक भूमि भी इसके लिए आवंटित कर दी गई है। भूमि आवंटन के बाद नगर निगम द्वारा शहर में अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी) बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है, लेकिन सुस्ती समस्या है। बस स्टैंड का निर्माण शीघ्र हो, इसको लेकर नगर निगम के अफसर व जिम्मेदार जनप्रतिनिधि बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। नए आईएसबीटी में एक साथ लगभग 300 से 350 बसों के खड़े होने और संचालन की व्यवस्था होगी, जिससे शहर में बस परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। वर्तमान में शहर का प्रियदर्शनी बस स्टैंड प्रतिदिन करीब 220 बसों के संचालन का भार संभाल रहा है, लेकिन यहां जगह और सुविधाओं की कमी के चलते यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जबलपुर में खौफनाक हिट एंड रनः पानी लेने रुके थे, कार ने ली 2 की जान

जबलपुर ■

मध्यप्रदेश के जबलपुर में एक कार चालक ने तीन लोगों को टक्कर मार दी, जिससे 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर में बुधवार को सुबह यह वारदात हुई है। कार चालक नशे की हालत में था और कार को तेज रफ्तार से दौड़ा रहा था। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक यह घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात हुई। गढ़ा पुलिस थाना क्षेत्र में धनवंतरी नगर चौक के पास यह घटना हुई।

नगर पुलिस अधीक्षक आशीष जैन ने मीडिया को बताया कि गणेश प्रसाद कुशवाह (38) और उनके बेटे शुभम (15) एक शादी में शामिल होने के लिए एक इलाके में आए थे। जब वे अपने गृह नगर महाराजपुर लौट रहे थे, तभी पानी खरीदने के लिए एक दुकान के सामने मोटरसाइकिल से रुक गए। पुलिस के मुताबिक पिता और पुत्र जब अपनी बाइक के पास खड़े थे, तभी वहां पर तेज रफ्तार कार आई और सड़क किनारे खड़े पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। साथ ही पंकज साहू (30) को भी टक्कर मार दी। पंकज भी अपनी दोपहिया वाहन के साथ उसी जगह पर रुका हुआ था। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने पंकज और गोपाल को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शुभम की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक कार चालक रंज्ञी इलाके का रहने वाला है और उसे पकड़ लिया गया है। मेडिकल जांच कराई गई है, जिसकी रिपोर्ट आना बाकी है। आरोपी कार चालक के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी कार चालक नशे की हालत में था। लोगों का कहना है कि अक्सर इस इलाके में पुलिस चैकिंग होती है, इसके बावजूद भी ऐसी घटना हो गई। स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

काल बनकर आई रईसजादे की कार

जबलपुर में इस घटना ने सभी का दिल दहला दिया। शराब के नशे में एक रईसजादे ने दो परिवारों की खुशियां उजाड़ दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक नशे में था और गाड़ी की रफ्तार पर कोई कंट्रोल नहीं था।

पुत्र मोह में आईपीएस से भिड़ने वाले बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी को पार्टी ने दिया नोटिस

शिवपुरी ■

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रीतम लोधी के द्वारा करैरा एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ को धमकाने के मामले में आईपीएस एसोसिएशन के मैदान में उतरने के एक दिन बाद अब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने उन्हें नोटिस जारी किया है। बता दें कि आईपीएस एसोसिएशन ने पत्र लिखकर विधायक प्रीतम लोधी की भाषा को अशोभनीय और अमर्यादित बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी।

प्रीतम लोधी को पार्टी ने दिया नोटिस

पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी के द्वारा लगातार की जा रही बयानबाजी पर एक तरफ जहां प्रदेश की सियासत गर्माई हुई है वहीं दूसरी तरफ अब प्रीतम लोधी की बयानबाजी से बीजेपी आलाकमान भी नाराज नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रीतम लोधी को नोटिस जारी किया है नोटिस में लिखा है- विगत दिनों आपके द्वारा जो आचरण किया गया है वो अत्यंत आपत्तिजनक है। आपके द्वारा किया गया आचरण पार्टी के अनुशासन के अनुरूप नहीं है, अतः तीन दिन के अंदर अपना स्पष्टीकरण दें अन्यथा आपके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

लोधी ने एसडीओपी को दी है धमकी

बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी के एक के बाद एक तीन वीडियो सामने आए हैं जिनमें वो एसडीओपी को धमकाते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में धमकाते हुए कह रहे हैं कि करैरा क्या तुम्हारे डैडी का है जबकि दूसरे में कह रहे हैं कि, 'मेरा हाथ पहले ढाई किलो का था, लेकिन अब ढाई सौ किलो का हो गया है, इसकी (एसपी, एसडीओपी) बेचैनी दूर कर दूंगा।'प्रीतम लोधी यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे ये भी कहा कि, '10 हजार लोगों को ले जाकर एसडीओपी के बंगले को गोबर से भर दूंगा।' साथ ही, उन्होंने शिवपुरी एसपी से स्पष्टीकरण मांगते हुए पूछा कि, बताए दिल्ली से इनको कौन चला रहा है? कौन फरमान दे रहा है? मोदी, अमितशाह या सिंधिया? उन्होंने नए वीडियो में शिवपुरी पुलिस को भी 15 दिन की खुली चुनौती दी है।'

आस्था से खिलवाड़ बंद करो':शास्त्री

छतरपुर/प्रयागराज ■

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में चल रही हनुमंत कथा के दौरान बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने एक चश्मा बनाने वाली कंपनी के कथित ड्रेस कोड को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने धार्मिक प्रतीकों पर कथित रोक को लेकर नाराजगी जताई और हिंदू समाज से एकजुट रहने की अपील की। उनकी कथा 21 से 23 अप्रैल तक जारी रहेगी।

ड्रेस कोड को लेकर विवाद

विवाद की वजह एक चश्मा बनाने वाली कंपनी द्वारा कर्मचारियों के लिए बनाए गए कथित ड्रेस कोड को बताया जा रहा है, जिसमें तिलक, सिंदूर और मंगलसूत्र जैसे धार्मिक प्रतीकों पर रोक लगाने की बात सामने आई है।

कथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि एक कंपनी ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे तिलक, सिंदूर और मंगलसूत्र लगाकर काम पर नहीं आ सकते। उन्होंने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जो लोग धार्मिक पहचान से परेशानी रखते हैं, उन्हें भारत में रहने के बजाय कहीं और चले जाना चाहिए।

भारत और आस्था पर टिप्पणी

उन्होंने आगे कहा कि भारत में रहने वाले लोग अगर तिलक, चंदन, राम और हनुमान से दिक्कत रखते हैं, तो उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत किसी एक का नहीं है, यह सभी का है और आस्था के खिलाफ नियम स्वीकार नहीं किए जा सकते।

कंपनी को चेतावनी- धीरेंद्र शास्त्री ने संबंधित कंपनी को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी भी समय है अपने फैसले पर पुनर्विचार कर लें, नहीं तो कानून अपना काम करेगा और सरकार कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट होने की अपील की और कहा कि अगर आज तिलक और मंगलसूत्र पर सवाल उठ रहे हैं, तो कल सनातन परंपराओं और धार्मिक ग्रंथों पर भी सवाल उठ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे संगम में तीन नदियां मिलकर एक हो जाती हैं, वैसे ही समाज को जातियों से ऊपर उठकर एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए।

कटनी-मुड़वारा के बीच 100 साल पुरानी डायमंड क्रॉसिंग बदली

कटनी ■

कटनी से मुड़वारा के बीच रेलवे ने एक बड़ा तकनीकी बदलाव करते हुए करीब 100 साल पुरानी डबल डायमंड क्रॉसिंग को बदल दिया है। अंग्रेजों के दौर की इस पुरानी प्रणाली को हटाकर हाल ही में आधुनिक ट्रैक सिस्टम लगाया गया है, जिससे अब ट्रेनों की रफ्तार में इजाफा होगा और यात्रियों को समय की बचत के साथ बेहतर सुविधा मिलेगी।

जानकारी के अनुसार ए केबिन के पास स्थित यह डायमंड क्रॉसिंग लंबे समय से तकनीकी समस्याओं का कारण बनी हुई थी। पुराने सिस्टम के उपकरण न केवल जटिल थे, बल्कि इनके पार्ट्स भी आसानी से उपलब्ध नहीं होते थे। इसके चलते मेंटेनेंस में देरी होती थी और हर माह सुधार कार्य के कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होती थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब ट्रेनों की गति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले जहां इस सेक्शन पर ट्रेनें करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरती थीं, वहीं अब यह गति बढक? 20 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है। खास बात यह है कि कर्व (घुमावदार ट्रैक) पर भी अब ट्रेनें अधिक सहज और तेज गति से गुजर सकेंगी। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए रेलवे को लगभग चार महीने का समय लगा। आवश्यक पार्ट्स लुधियाना और ग्वालियर से मंगवाए गए, जिसके बाद तकनीकी टीम ने पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। क्रॉसिंग बदलने के साथ ही इस हिस्से में नई पटरियां भी बिछाई गई हैं। पहले यहां 52 किलो प्रति मीटर की रेल लाइन थी, जिसे अब 60 किलो प्रति मीटर की मजबूत रेल लाइन से बदल दिया गया है। इससे ट्रैक की लोड क्षमता बढ़ी है और भारी ट्रेनों का संचालन भी अधिक सुरक्षित और सुचारू हो सकेगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पुरानी डायमंड क्रॉसिंग सिस्टम के कारण ट्रेनों को कॉशन पर यानी धीमी गति से निकालना पड़ता था, जिससे समय की बबार्दी होती थी। नई तकनीक से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो गई है और ट्रेनों का संचालन अधिक प्रभावी हो गया है।

टैरिफ रिफंड की प्रक्रिया शुरू तो हुई, लेकिन ट्रम्प पैसे दें तब सच में राहत

दुनियाभर के देशों से आने वाले सामान और व्यापार पर अरबों डालर का टैरिफ वसूलने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति को अब अतिरिक्त वसूली गई राशि वापस करनी पड़ेगी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमेरिका ने रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन व्यापारियों ने महीनों तक इंतजार किया है, उन्हें अब न्याय मिलने की संभावना है। ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण जिन कंपनियों ने इम्पोर्ट ड्यूटी चुकाई थी, उन्हें अब रिफंड दिया जाएगा। जानकारों के अनुसार अमेरिकी सिस्टम ने इस प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। इसके लिए बनाए गए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और आगे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, इस पोर्टल पर चल रही गतिविधियों को देखते हुए लगता है कि रिफंड प्राप्त करने की प्रक्रिया काफी जटिल, चरणबद्ध और लंबी हो सकती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण 5.3 करोड़ शिपमेंट पर 166 अरब डालर का टैरिफ वसूला गया था। अब इन सभी का हिसाब करके रिफंड दिया जाएगा।

स्नेहा सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

उल्लेखनीय है कि 20 फरवरी, 2025 से ट्रम्प प्रशासन द्वारा नए टैरिफ लागू किए गए थे। इसके खिलाफ अमेरिकी अदालत में याचिका दायर की गई थी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रम्प सरकार के खिलाफ 6-3 के बहुमत से फैसला दिया गया। ट्रम्प सरकार को आदेश दिया गया कि वसूला गया टैरिफ गैरकानूनी है और उसे वापस किया जाए। इस मामले में संवैधानिक विवाद के बाद ट्रम्प प्रशासन ने दावा किया था कि 1977 के इमरजेंसी पावर्स कानून के तहत टैरिफ लगाए गए थे, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और टैरिफ वापस करने का आदेश दिया। जानकारों के अनुसार यूएस कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन ने एक डिजिटल फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसके माध्यम से टैरिफ रिफंड की प्रक्रिया शुरू की गई है। कंसोलिडेटेड एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रोसेसिंग आफ एंट्रीज द्वारा आटोमेटेड कमर्शियल एनवायरनमेंट प्लेटफार्म शुरू किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से आयातक और अधिकृत ब्रोकर अपने क्लेम दर्ज कर सकते हैं। वे अपने शिपमेंट और टैरिफ भुगतान के संबंध में दावे प्रस्तुत कर सकते हैं और सुनवाई में भाग ले सकते हैं। इस प्रणाली के माध्यम से पिछले एक वर्ष में जिनसे टैरिफ लिया गया है, उनकी अर्जियों का चरणबद्ध निपटारा किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन कंपनियों को अतिरिक्त टैरिफ का दावा करना है, उन्हें पहले सीबीपी में नामांकन करना होगा। इसके बाद उन्हें इलेक्ट्रानिक माध्यम से ही भुगतान किया जाएगा। एजेंसी द्वारा इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी और आवश्यक दस्तावेजों की सूची भी जारी की गई है। सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ खाता खोलकर दावा प्रस्तुत करना होगा। एक बार दावा पंजीकृत और स्वीकृत हो जाने के बाद 60 से 90 दिनों के भीतर रिफंड दिया जाएगा। जानकारों के अनुसार अमेरिकी इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में दावों का विवरण सामने आएगा और दावों की राशि भी ऐतिहासिक रूप से बड़ी होगी। सीबीपी फाइलिंग्स के अनुसार 3,30,000 से अधिक आयातकों ने असंवैधानिक टैरिफ चुकाया है। अनुमान है कि 5.30 करोड़ से अधिक शिपमेंट के लिए 166 अरब डालर से

अधिक की राशि वापस करनी होगी। वैश्विक स्तर पर फैली मल्टीनेशनल कंपनियों से लेकर छोटे और मध्यम व्यापार से जुड़ी कंपनियां भी इस विशाल दावे में शामिल होंगी। इसके कारण संघीय तंत्र को व्यापक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन आयातकों और ब्रोकरों ने आनलाइन पोर्टल पर दस्तावेज अपलोड करके रजिस्ट्रेशन पूरा कर लिया है, उनके दावों की फाइल तैयार हो चुकी है। अनुमान है कि इन दावों की राशि अभी से 127 अरब डालर तक पहुंच गई है। अप्रैल के मध्य तक लगभग 57,000 आयातकों ने पंजीकरण कर लिया था और वे पहले चरण के भुगतान के दावेदार बन चुके हैं। जानकारों के अनुसार यदि इसमें ब्याज जोड़ने का आदेश भी दिया गया, तो कुल भुगतान राशि और अधिक बढ़ सकती है। इस राशि से छोटी कंपनियों और आयातकों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। ट्रम्प प्रशासन ने रिफंड भुगतान चरणबद्ध तरीके से करने का निर्णय लिया है। जिन लोगों का पंजीकरण पूरा हो चुका है और जिन्होंने हाल ही में टैरिफ भुगतान किया है, उन्हें पहले चरण में शामिल किया गया है। जिनका पंजीकरण और दस्तावेज सत्यापन जारी है, उन्हें दूसरे चरण में शामिल किया जाएगा। जिन मामलों में अनुमानित ड्यूटी लगाई गई है और जिन्हें 80 दिनों के भीतर फाइलिंग प्रक्रिया में शामिल किया गया है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद पूरी तरह प्रोसेस किए गए टैरिफ भुगतान किए जाएंगे। जानकारों का मानना है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा जिस तरह से प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं, उससे भुगतान में देरी होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि जिन कंपनियों ने अतिरिक्त टैरिफ का बोझ ग्राहकों पर डाला था, उनके खिलाफ भी ग्राहक अदालत पहुंचे हैं। इन कंपनियों को अब ग्राहकों को भी पैसा लौटाना पड़ सकता है, अन्यथा वे कानूनी विवाद में फंस सकती हैं। दूसरी ओर रिफंड के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों के लिए स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। एक तरफ रिफंड मिलने से उनका कैश फ्लो सुधरेगा और वे पुनर्निवेश कर सकेंगी, वहीं दूसरी ओर ग्राहकों के साथ भी उन्हें समायोजन करना होगा। जानकारों का मानना है कि सीएपीई पोर्टल के माध्यम से चल रही प्रक्रिया लंबी और जटिल है। कुछ लोगों का दावा है कि पहले चरण में भी पूरा भुगतान नहीं किया जाएगा और कम से कम भुगतान करने के विकल्प तलाशे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प प्रशासन इस भुगतान में लंबा समय ले सकता है और देरी की संभावना बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आनलाइन व्यवस्था होने के बावजूद कई कारणों से भुगतान में देरी हो सकती है। सिस्टम की क्षमता से अधिक आवेदन, तकनीकी त्रुटियां, दस्तावेज सत्यापन, पात्रता जांच और विवाद निपटान जैसी प्रक्रियाएं समय लेंगी। अधिकारियों का भी मानना है कि 60 से 90 दिन की निर्धारित अवधि से अधिक समय लग सकता है। कुछ मामलों में अतिरिक्त दस्तावेजों की मांग भी की जा सकती है। इसके अलावा यह संभावना भी जताई जा रही है कि ट्रम्प प्रशासन इस मामले में फिर से सुप्रीम कोर्ट या इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट में याचिका दायर कर सकता है, जिससे भुगतान और भी देर से हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार दावों और दस्तावेजों की जांच में कम से कम एक वर्ष का समय लग सकता है और बिना जांच के भुगतान संभव नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी एक बड़ा सवाल है कि जिन कंपनियों ने टैरिफ का बोझ ग्राहकों पर डाल दिया था, उन्हें सीधे रिफंड दिया जाएगा या नहीं। यदि उन्हें रिफंड मिलता है, तो ग्राहकों को पैसा कैसे लौटाया जाएगा, यह भी एक जटिल मुद्दा बना हुआ है। इन परिस्थितियों में कई कंपनियों का रिफंड अटक सकता है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

राज्य सरकारों पर गंभीर वित्तीय संकट

सनत जैन
लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

हिमाचल की सरकार का वित्तीय संकट तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। प्राकृतिक प्रकोप के कारण हिमाचल सरकार के ऊपर खर्च बढ़ा है। केंद्र सरकार से प्राकृतिक आपदा के लिए जो सहायता मिलनी चाहिए थी वह भी नहीं मिली। दरअसल प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जिसके फलस्वरुप हिमाचल में अब खर्चे में कटौती करनी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था बुरी तरह से डगमगा गई है। मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के वेतन में कटौती की गई है। आगे चलकर इसका असर वेतन, पेंशन विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पड़ना तय है। हिमाचल प्रदेश सरकार का बढ़ता कर्ज, सीमित राजस्व स्त्रोतों ने हिमाचल को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा दिया है। यह स्थिति हिमाचल तक सीमित नहीं है। देश के एक दर्जन से अधिक राज्य आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। हर माह उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। पंजाब, राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। कई राज्यों का कुल ऋण उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 30 प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया है। जो राज्यों की वित्तीय स्थिति के लिए खतरे की घंटी है। इन राज्यों की आय का बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन, ब्याज, कर्ज की अदायगी और लोक लुभावन योजनाओं में खर्च हो रही है। जिसके कारण विकास योजनाओं के लिए सरकारी खजाने में राशि ही नहीं है।

समस्या की जड़ में राजनीतिक लोकलुभावन नीतियां हैं। मुफ्त बिजली, सब्सिडी और नकद सहायता जैसी योजनाओं ने राज्य की आर्थिक स्थिति का कबाड़ा कर दिया है। जो आने वाले समय में राजकोषीय संतुलन को बिगाड़ रही हैं। सभी राज्य सरकारों को लगातार कर्ज लेना पड़ रहा है। यही कर्ज धीरे-धीरे राज्यों के वित्तीय संकट के रूप मे सामने आ रहा है। अमेरिका- इजरायल और ईरान युद्ध के बाद भारत सरकार का बजट भी गड़बड़ा रहा है। भारत सरकार को ऊर्जा जरूरत और अन्य जरूरत का बजट लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार का राजस्व घट रहा है, इसका असर भी राज्यों की आर्थिक स्थिति में पड़ना तय है। महंगाई, बेरोजगारी और आयात का बढ़ता खर्च केंद्र सरकार के साथ-साथ वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी दिखने लगा है। शेयर मार्केट की गिरावट से वित्तीय संस्थानों में इसका असर दिखने लगा है। रिजर्व बैंक भी इससे अछूता नहीं है। युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, ब्याजदरों में वृद्धि, विदेशी मुद्रा संकट का असर केंद्र से मिलने वाले राजस्व में कटौती राज्यों की परेशानी बढ़ा रहा है। यदि यही स्थिति तीन-चार महीने और बनी रही, तो आने वाले महीनो में कई राज्य सरकारें कर्ज और खर्च के जाल में फंस सकती हैं। कई राज्य अभी भी नया कर्ज पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लेने को विवश हो रहे हैं। राज्यों के ऊपर जिस तरह से आर्थिक संकट बढ़ता चला जा रहा है, इस संकट से निकलने के लिए राज्यों को कठोर आवश्यक कदम उठाने होंगे। राजस्व बढ़ाने आय और व्यय के बीच में संतुलन बनाते हुए कर सुधार, के साथ-साथ गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करना होगी। विकास योजनाओं की प्राथमिकता तय करनी होगी। सरकार को वित्तीय अनुशासन आय और व्यय के बीच में पारदर्शिता और जवाबदेही तय करके वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करना होगा। समय रहते सुधार के प्रयास नहीं किए गए, तो यह संकट कुछ राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा। राज्यों की बिगड़ती अर्थव्यवस्था से देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। हिमाचल प्रदेश की स्थिति सभी राज्यों और केंद्र सरकार के लिए एक चेतावनी है। यदि इसे नजर अंदाज किया गया, तो आने वाले समय मे इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के बाद जिस तरह के दुष्परिणाम अर्थव्यवस्था में देखने को मिल रहे हैं, उससे वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी की चेतावनी दी जा रही है। जिस तरह से भारत का आयात और निर्यात प्रभावित हो रहा है, विदेशी मुद्रा की तुलना में रुपए की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है।

हर भारतीय को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना होनी...

संजय गोस्वामी | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

चाहिए जब भारत देश की बात आती है तो हम ना किसी धर्म से जुड़े हैं ना किसी के बहकावे में आकर देश से धोखा करेंगे क्योंकि मातृभूमि से बढ़कर कुछ भी नहीं है हमारी ताकत हमारी मातृभूमि की रक्षा के लिए मर मिटने के लिए एकजुट होकर भाईचारे से रहकर देश के प्रति एक जबाबदारी होनी चाहिए जब बीजेपी ने अन्य दलों के साथ मिलकर 1998 में पहली बार गैर कोंग्रेसी सरकार आयी तो तुरंत ही उन्होंने 11मई 98 को पोखरण परमाणु परीक्षण कर देश को अपनी ताकत का अहसास कराया आपका सच्चा धर्म अपने देश के प्रति वभादार होना है पोखरण परमाणु परीक्षण के लिए हमारे वैज्ञानिकों को तैयारी करने और पूर्वाभ्यास करने के लिए दिन रात जुटे रहें सिर्फ डेढ़ साल का समय मिला था। इस मिशन की गोपनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता थी।सन 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुनः परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी व अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण रोक दिया गया था जब 1998 में स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार आई तो इसका नेतृत्व करते महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि पार्टी रहे या नहीं रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है अतः आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र होना जरुरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और नासा के निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हूं अतः वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अतः भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए व यह काम सैटेलाइट जाने के ठीक ढ़ेड (1।5) के पहले ही करना होगा बाद में इसकी खबर पाकिस्तान के गुप्तचरों ने अमेरिका को बता दिया और अमेरिका ने सैटेलाइट घुमाने की अवधि करीब आधा घंटा कर दिया इससे पहले पता चलता वैज्ञानिकों ने सेना की वर्दी पहने व आधे घंटे के अंदर ही घास फूस का मचान/छत जैसा तैयार कर निचे घुस कर बहुत ही कठिन परिस्थितियों में गड्ढा खोदने का काम किया जिसमें परमाणु परीक्षण किया जाता है।भारत जब पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत सफल परमाणु परीक्षण करने की तैयारी कर रहा था, तो इसकी भनक किसी भी दूसरे देश को नहीं थी। यहां तक की परमाणु परीक्षण होने के बाद भी इसकी जानकारी किसी को नहीं लगी थी। भारत की सरकार के लिए उस वक्त से बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए भारत की हरकतों पर पल-पल नजर बनाए रखता था। सीआईए ने भारत पर नजर रखने के लिए अरबों खर्च कर 4 सैटेलाइट लगाए थे। 24 सितंबर 1996 को अमेरिका ने परमाणु विकसित देशों से मिलकर एक संधि सीटीबीटी यानी कांप्रेहेन्सिव टेस्ट बैन ट्रीटी नामक एक समझौता लागू किया गया जिसके जरिए परमाणु परीक्षणों करने के लिए प्रतिबंधित लागू किया गया है यह संधि अस्तित्व उस समय अस्तित्व में आई जब भारत परमाणु परीक्षण के लिए पुरी तरह से तैयार हो गया था। 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुनः परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम के अगुआई में इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी मसौदा, अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण इस मिशन को रोक दिया गया था जब 1998 में एनडीए की सरकार आई तो स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने इस मिशन को पुरा करने के लिए वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को प्रोत्साहित किया जो इसका नेतृत्व कर रहे थे डा कलाम को इस मिशन को पुरा करने की पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब परीक्षण करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि मेरी सरकार रहे या ना रहे है। पोखरण परमाणु परीक्षण 2- 11,मई 1998 को पोखरण राजस्थान में आयोजित किया गया था। पोखरण 2 का कोड वर्ड (नाम) ऑपरेशन शक्ति था। यह भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण का दूसरा उदाहरण था। पहला परीक्षण, के कोड -का नाम स्माइलिंग बुद्धा मई 1974 में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के द्वारा किया गया एटम बम का परिक्षण किया गया था लेकिन 11मई,98 को किए गए परमाणु परीक्षण उससे कहीं और ज्यादा शक्तिशाली था व उसमें अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के अलावा नाभिकीय संलयन की क्रिया भी की गई थी, जिसे हाइड्रोजन बम के नाम से भी जाना जाता है। परीक्षणों के कुछ ही समय बाद, प्रधानमंत्री वाजपेयी प्रेस के सामने आए और जिसे पुरी दुनिया को राष्ट्र के नाम के संदेश में कहा था उन्होंने यह संक्षिप्त बयान दियाः आज 15:45 बजे, भारत ने पोखरण रेंज में तीन भूमिगत परमाणु परीक्षण किए। आज किए गए ये परीक्षण एक विखंडन उपकरण, एक अधिक क्षमता वाले परमाणु उपकरण और एक थर्मोन्यूक्लियर उपकरण के साथ किए गए थे थर्मोन्यूक्लियर डिवाइस, या हाइड्रोजन बम (H-बम), दूसरी पीढ़ी का एक परमाणु हथियार है जो उच्च तापमान वाली परमाणु संलयन प्रतिक्रिया को शुरू करने के लिए एक प्राथमिक विखंडन विस्फोट का उपयोग करता है। ये हथियार बुनियादी विखंडन हथियारों की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी शक्ति (मेगाटन रेंज) उत्पन्न करते हैं, और भारी विस्फोट करने के लिए ड्यूटेरियम और ट्रिटियम का उपयोग करते हैं।इसमें कलाम साहब की बहुत बड़ी भूमिका रही थी क्योंकि उन्होंने नासा के निदेशक पद का ऑफर ठुकरा कर अपने देश का नाम रौशन किया हालांकि वो हिन्दू नहीं थे लेकिन देश के लिए उनका यह कार्य लोग सदियों तक याद करेगा उसके बाद अमेरिका ने भारत के ऊपर कई सैंक्शन लगाएं लेकिन इससे अमेरिका को नुकसान हो रहा था इसलिए बाद में हटा दिया इसके बाद 1999 में कारगिल युद्ध हुआ जहाँ कारगिल युद्ध (कारगिल युद्ध), जो मई से जुलाई 1999 तक जम्मू और कश्मीर के कारगिल जिले में भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था, पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा घुसपैठ की गई ऊंचाई वाली जगहों को वापस पाने के लिए भारत का एक सफल मिलिट्री ऑपरेशन था। भारत ने घुसपैठियों को निकालने के लिए ऑपरेशन विजय शुरू किया, जिससे 26 जुलाई, 1999 को लड़ाई आधिकारिक तौर पर खत्म हो गई। कारगिल युद्ध की खास बातेंः कारणः पाकिस्तानी सैनिकों और मिलिटेंट्स ने लाइन ऑफ कंट्रोल पार करके घुसपैठ की, और सर्दियों के दौरान स्ट्रेटेजिक, बिना पायलट वाली भारतीय मिलिट्री पोस्ट पर कब्जा कर लिया। जगहः लद्दाख का कारगिल जिला, खासकर श्रीनगर-लेह हाईवे (को निशाना बनाकर। भारतीय कार्रवाईः भारत ने इलाके को वापस पाने के लिए ऑपरेशन विजय शुरू किया, जिसमें लगभग 200,000 भारतीय सैनिक शामिल थे और आर्टिलरी, खासकर बोफोर्स तोपों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। लड़ाई का समयः यह लड़ाई दो महीने से ज्यादा चली, जो मई की शुरूआत में शुरू हुई और 26 जुलाई, 1999 को खत्म हुई। मौतः 527 भारतीय सैनिकों की जान गई, और 1363 घायल हुए, ऐसा बताया गया है। नतीजाः भारत ने पाकिस्तानी सेना को लाइनऑफ कण्ट्रोल पार करने में कामयाबी हासिल की। भारतीय सेना की बहादुरी के सम्मान में हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

किताबों की बेशकीमती ताकत को पहचानो

1995 से हर साल यूनेस्को 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस मनाता है, 100 से ज्यादा देशों में पढ़ने, प्रकाशन और प्रकाशनाधिकार को बढ़ावा देता है। यह विशेष दिवस हमें पुस्तकों के करीब जाकर उसकी महत्ता को जीवन में उतारने के लक्ष्य को साधने के लिए प्रेरित करता हैं। इस साल 2026 के लिए विश्व पुस्तक दिवस की थीम, अपनी शैलीनुसार पढ़ें यह है, जो पढ़ने के शौक को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यह शैली दशार्ती है कि, जिस प्रकार के भी साहित्य में रूचि हो, वह पढ़ें, पढ़ने की आदत डालें। पुस्तकें जीवन का प्रतिबिंब होती है, सच और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए पुस्तकें प्रेरित करती हैं। दुनिया भर के महानतम व्यक्ति अपनी खास उपलब्धि के लिए प्रसिद्ध हुए। पैसा, शोहरत, नाम, काम और व्यस्तता के बावजूद और हर मिनट के लाखों रुपये कमानेवाले उद्योगपति, खेल जगत के खिलाडी, नेता और फिल्मी नायक भी पुस्तकें पढ़ने के लिए रोजाना अपना कीमती समय थोड़ा ही सही लेकिन निकालते जरूर हैं।

क्या हम कभी पुस्तकें खरीदने के लिए आर्थिक समस्या से जूझने पर अपना एक वक्त का भोजन छोड़कर उससे पैसे बचाकर पुस्तकें खरीदने की कोशिश की हैं। विश्व में ज्ञान का प्रतिक कहलानेवाले भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने अपने तंगी के दिनों में पुस्तकें खरीदने के लिए एक वक्त का भोजन तक त्याग दिया था, ताकि ज्ञानरूपी पुस्तकों का तेज आत्मसात कर सकें, ये होता है किताब के प्रति जूनून और किताब की महत्ता की समझ। अधिकतर बड़े-बड़े लोग अक्सर अपने घर में ही पुस्तकों का संग्रह बना लेते है, अर्थात निजी पुस्तकालय के तौर पर। पुस्तकों से बेहतर दुनिया में कोई साथी नहीं होता, पुस्तकें हमेशा हमें योग्य दिशा में चलने के लिए पथ प्रदर्शित करते है, पुस्तकें हमारे खाली समय को ज्ञान से सींचते है, बुद्धि को तिष्ण, जागरूक, समझदार बनाकर सत्य और असत्य के बिच अंतर करना सिखाते हैं। हम पुस्तकों और शिक्षा के बल पर दुनियाभर में हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सकते हैं। विश्व पुस्तक दिवस पढ़ने, किताबें, प्रकाशन, लेखक सम्मान और प्रतिलिप्यधिकार जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता हैं। आधुनिक ज़िंदगी में किताबों की अहमियत आज भी अद्वितीय हैं। किताबें हमें सिखाती हैं, प्रेरित करती हैं, मनोरंजन करती हैं और अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और पीढ़ियों से जोड़ती हैं। किताबों को सभी उम्र के लोगों के लिए ज्यादा आसान बनाना, विश्व पुस्तक व कॉपीराइट दिवस का उद्देश्य पढ़ने की आदत को प्रोत्साहन देना, प्रकाशन व साहित्य संस्कृति को आगे बढ़ाना, बौद्धिक संपदा के प्रति जागरूकता निर्माण करना, साथ ही समाज के प्रत्येक पाठक के लिए पुस्तकों तक सहज उपलब्धता लाना मुख्य उद्देश्य हैं। पुस्तकें कल्पना और सर्जनशीलता विकसित कर भाषा और संवाद कौशल बेहतर बनाती है, संस्कृति और इतिहास का जतन करके अलग-अलग पीढ़ियों के पाठकों को आपस में जोड़ती है, साथ ही शिक्षा और ज़िंदगी भर सीखने में मदद करती हैं। नियमित पाठन से शब्दसंग्रह, एकाग्रता, आत्मविश्वास और विचारशक्ती कौशल बेहतर होती हैं। आज विश्व किताब दिवस किताबों की खुशी और ताकत का जश्न मनाने का एक शानदार मौका हैं। पसंदीदा एक नई किताब पढ़कर, पुस्तकालयों को भेट देकर, दोस्तों रिश्तेदारों या परिचितों से किताबों का आदान-प्रदान करके अथवा किसी में पढ़ने की ललक जगाकर यह दिन मनाया जाना चाहिए। अपनी पसंदीदा पुस्तकों के बारे में अन्य लोगों या मित्रों से विचार-विमर्श करना चाहिए, हमें यह पुस्तक क्यों पसंद है एवं अन्य पाठकों को भी यह पुस्तक क्यों पढ़नी चाहिए इसका स्पष्टीकरण देना चाहिए, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित होकर वह पुस्तक पढ़ने के लिए उत्सुक हों। अच्छी किताबों को हमेशा प्रोत्साहन मिलना चाहिए, ताकि योग्य किताबें पाठकों तक आसानी से पहुंच सकें, जो मनुष्य किताबों से दोस्ती करता है, उसे सफलता के मार्ग पर अग्रसर होने से कभी कोई रोक नहीं सकता, किताबों में समस्या का समाधान छुपा होता हैं। किताबें कभी कोई शिकायत नहीं करती, वें बस निरंतर ज्ञान की गंगा बहाते चलती हैं। जिसने उसे अपनाया जो सवर गया, जिसने किताबों की महत्ता नहीं समझी वो पिछड़ गया। आज के इंटरनेट के जमाने में पुस्तकों का स्वरूप डिजिटल हुआ है, एक क्लिक पर पुस्तकें हमें सहज उपलब्ध हो जाती है, अर्थात पुस्तकों तक सहज पहुंच होने के बावजूद आज पाठ्य संस्कृति कमजोर होती नजर आती हैं। देश गुणवत्ताहीन डिग्रीधारी युवाओं को बनाने की फैक्ट्री बन गया है, जो साल दर साल बेरोजगारी की बाढ़ लाता हैं। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया की गिरफ्त में फंसती जा रही है, पढाई के नाम पर किताबों के बजाय शॉर्टकट नोट्स पर आधारित रहना पसंद करते हैं। लेकिन ये शॉर्टकट नोट्स विद्यार्थियों को केवल कुछ सवालों के मर्यादित जवाब प्रदान करते है और सिर्फ नाममात्र की पदवी प्राप्त करने में सहयोगी है, परंतु विषय के गहन ज्ञान की बात करे या जीवन के हर पड़ाव पर उस ज्ञान के महत्ता पर बात करे तो यही विद्यार्थी फिसड्डी साबित होते है, क्योंकि युवाओं ने गहन ज्ञान रूपी किताबों की महत्ता को न समझा, न पढ़ा कभी। ऐसे माहौल में जब जीवन की परिस्थितियां असंगत या मुश्किलों का दौर आता है तो मनुष्य डगमगाता है, समस्याओं को आसानी से हल करने के बजाय उससे भागता है, जिसके कारण हताशा, आत्महत्या, अपराध और नशाखोरी की समस्याओं का तेजी से जन्म होता है और जीवन में समस्याओं का अंबार लग जाता हैं। किताबें हर मुश्किल में साथ निभाते है, जिसने इन्हें जान लिया वें फिर किसी समस्या में फसते नहीं है क्योंकि सफलता उनके कदम चूमती हैं।

डॉ. प्रितम भी. गेडाम
लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

मृत्यु का अर्थ...

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 756.84 अंक टूटकर 78,516.49 पर बंद हुआ। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.50 अंक नीचे आकर 24,378.10 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह 831 अंक की गिरावट के साथ सेंसेक्स 79,019.34 पर खुला था। वहीं निफ्टी 224 अंक नीचे आकर 24,470.85 पर खुला।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजार सूचकांक का प्रदर्शन अच्छा रहा। । निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स और निफ्टी मिडकैप में बढ़त रही। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फार्मा में भी तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.89 फीसदी की गिरावट आई। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.73 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.66 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एचयूएल, एनटीपीसी, टीएमपीवी, हिंडाल्को, अदाणी इंटरप्राइजेज, इटरनल और नेस्ले इंडिया के शेयरों में तेजी रही। एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इसके साथ ही इंफोसिस, एमएंडएम, टीसीएस, टेक महिंद्रा, बजाज-ऑटो, मैक्सहेल्थ, एचडीएफसी लाइफ और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी 3-1.5 गिरावट आई।जानकारों के अनुसार ये गिरावट अमेरिकी-ईरान में तनाव बने रहने और होर्मुज को लेकर संघर्ष बढ़ने से आई है।

सोने के भाव में 1484 रुपए की तेजी, चांदी भी 4039 रु.महंगी

नई दिल्ली ■

लगातार दो दिन की गिरावट के बाद बुधवार को सोने और चांदी के भावों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 22 अप्रैल को सोने की कीमत में 1484 रुपए की बढ़ोतरी हुई, जबकि चांदी 4039 रुपए महंगी हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में एक फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों के बीच खुशी का माहौल है।

यह बढ़ोतरी वैश्विक संकेतों और बाजार में लौटी खरीदारी के कारण बताई जा रही है। बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 22 अप्रैल को सोना 1484 रुपए की तेजी के साथ 1,53,155 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसी तरह, चांदी की कीमत में 4039 रुपए की दमदार बढ़त देखी जा रही है, जिसके बाद यह 2,48,740 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। वैश्विक स्तर पर भी दोनों कीमती धातुओं में एक फीसदी से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया है, जो घरेलू बाजार में हुई बढ़ोतरी को बल दे रहा है। इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को भी चांदी की कीमत में 700 रुपए का इजाफा हुआ था और यह 2.58 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 300 रुपए की मामूली बढ़त दर्ज की गई थी, जिसके बाद यह 1,57,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया था।

विदेश यात्रा के नियम बदले, बिना पेन कार्ड वालों को अब भरना होगा फॉर्म-157

नई दिल्ली ■

विदेश यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। एक नई व्यवस्था लागू होगी, जिसके तहत पेन कार्ड न रखने वाले यात्रियों को अब विदेश जाने से पहले फॉर्म 157 भरना अनिवार्य होगा।

यह नियम खासकर उन लोगों के लिए है जो आयकर के दायरे में नहीं आते या जिनके पास स्थायी खाता संख्या (पेन) नहीं है। आयकर अधिनियम 2025 और नियम 2026 के तहत लागू इस प्रणाली का लक्ष्य उन यात्रियों का रिकॉर्ड रखना है जो आयकर के दायरे में नहीं आते। इसका उद्देश्य कर प्रणाली को सुदृढ़ करना और यात्रा डेटा को बेहतर ढंग से ट्रैक करना है। हालांकि, जिन यात्रियों के पास पेन कार्ड है और जो नियमित रूप से आयकर रिटर्न (आइटीआर) :दाखिल करते हैं, उन्हें इस फॉर्म को भरने की आवश्यकता नहीं होगी। यह फॉर्म 157 एक स्व-घोषणा प्रमाण पत्र है, जो पुराने फॉर्म 156 का स्थान लेगा। यह इवेंट-आधारित फॉर्म है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक विदेश यात्रा के लिए इसे अलग से भरना अनिवार्य होगा। इस फॉर्म को ऑनलाइन जमा करने की सुविधा नहीं होगी; यात्रियों को इसे संबंधित क्षेत्रीय आयकर अधिकारी के पास जाकर ऑफलाइन जमा करना होगा। फॉर्म भरते समय पासपोर्ट विवरण, व्यक्तिगत जानकारी (नाम, पता), यात्रा का उद्देश्य और विदेश में रुकने की अवधि जैसी जानकारी देनी होगी। आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है, लेकिन सत्यापन के लिए मोबाइल नंबर देना उचित होगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इस नए नियम को यात्रा से पहले अच्छी तरह समझ लें, ताकि बाद में किसी परेशानी से बचा जा सके।

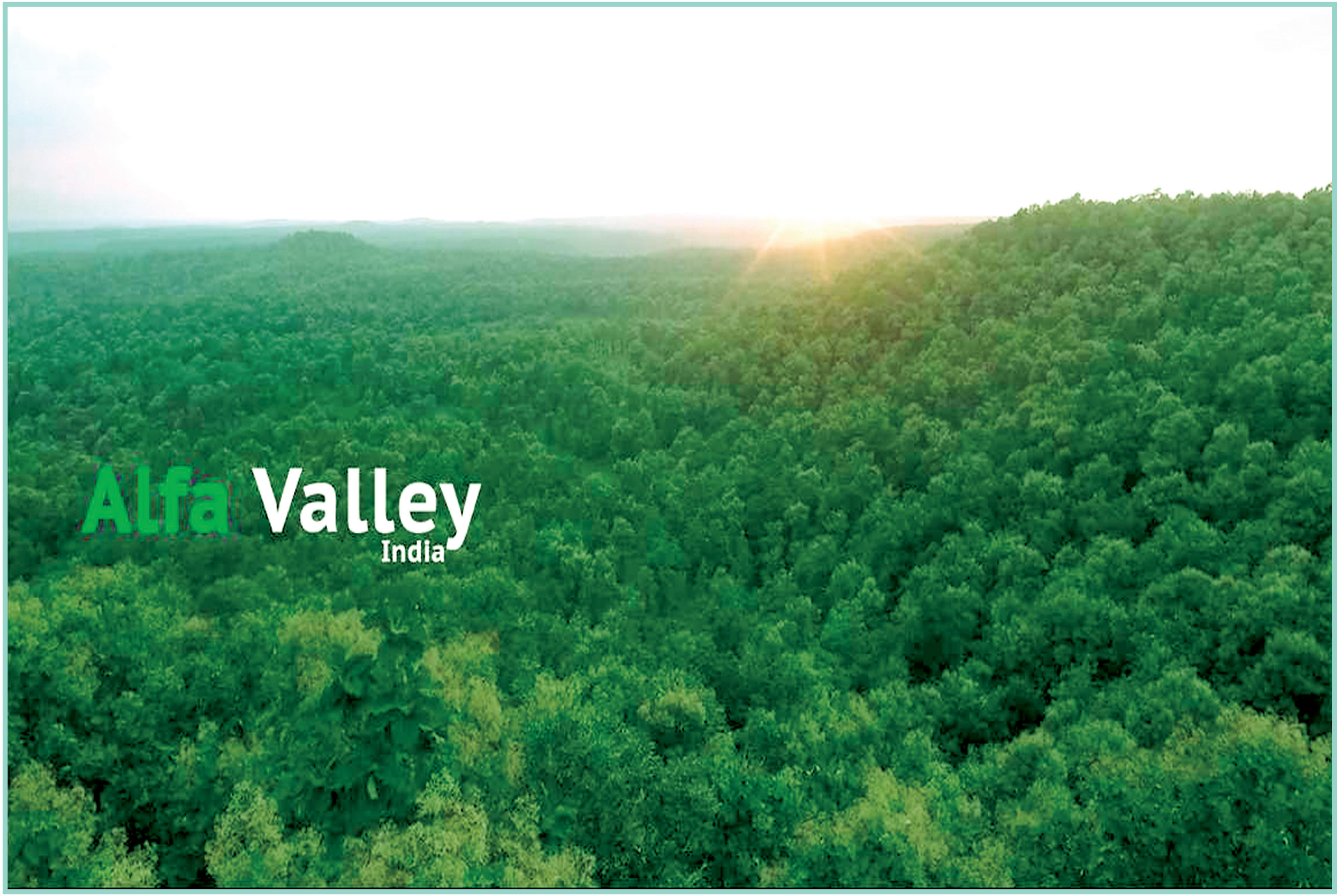

Alfa Valley
India

राजस्थान ने लगाया जीत का पंजा, लखनऊ को 40 रन से रौंदा, जोफ्रा ऑर्चर ने झटके 3 विकेट

लखनऊ ■ एजेंसी

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स ने अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। बुधवार को खेले गए सीजन के 32वें मैच में टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से हरा दिया। लखनऊ के होम ग्राउंड इकाना स्टेडियम में लखनऊ ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। राजस्थान 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। 160 रन के टारगेट का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 18 ओवर में 119 रन बनाकर सिमट गई।

टीम की तरफ से मिचेल मार्श ने फिफ्टी (55 रन) जरूर लगाई, लेकिन वो टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा कोई भी 30 रन का आंकड़ा नहीं छू पाया। ऋषभ पंत और एडन मार्करम जैसे सीनियर प्लेयर तो खाता भी नहीं खोल सके। राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। नांद्रे बर्गर और ब्रिजेश शर्मा को 2-2 विकेट मिले। रवींद्र जडेजा और रवि विश्नोई के खाते में 1-1 सफलता आई। इससे पहले पहले बैटिंग करते हुए राजस्थान की शुरूआत खराब रही। टीम को वैभव सूर्यवंशी से बड़ी पारी की उम्मीद थी। लेकिन, आज वह कुछ खास नहीं कर पाए। वैभव 11 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हो गए। उनसे पहले यशस्वी जायसवाल 22 और ध्रुव जुरेल बिना खाता खोले पवेलियन रवाना हो गए। पॉवरप्ले में अपने तीन विकेट गंवाकर राजस्थान की टीम संकट में फंस गई थी। इसके बाद कप्तान रियान पराग और शिमरोन हेटमायर ने क्रीज पर जमने की कोशिकी की लेकिन वह ज्यादा देर नहीं टिक सके। 77 रन पर राजस्थान के 5 विकेट गिर चुके थे। ऐसे में रवींद्र जडेजा टीम के संकट मोचक बनकर उभरे। उन्होंने पहले डोनोवन फरेरा के साथ 33 और फिर शुभम दुबे के साथ 49 रन की पार्टनरशिप कर टीम को 159 रन के फाइटिंग स्कोर तक पहुंचाया। जडेजा 29 बॉल में 43 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। लखनऊ की ओर से मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और मोहसिन खान ने 2-2 विकेट झटके। जडेजा को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत सैफ महिला चैंपियनशिप के ग्रुप बी में, बांग्लादेश-मालदीव अन्य टीमें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को 25 मई से छह जून तक गोवा के मडगाव में होने वाली सैफ महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। नेपाल, श्रीलंका और भूटान ग्रुप ए में हैं।

ढाका में बुधवार को सैफ सचिवालय में ड्रॉ डाले गए, जिसके अनुसार प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। पाकिस्तान ने अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है। भारत दूसरी बार सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में इसकी मेजबानी की थी। भारत ने तब अपना चौथा खिताब जीता था। गोवा दूसरी बार सैफ चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले 1999 की पुरुष चैंपियनशिप भी जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ही आयोजित की गई थी, जहां भारत ने फाइनल में बांग्लादेश को हराकर खिताब जीता था। भारत सैफ महिला चैंपियनशिप का रिकॉर्ड पांच बार का चैंपियन है। उसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते।

मनोरंजन

चिरैया के लिए दिव्या दत्ता ने किया दर्शकों का शुक्रिया अदा

हाल ही में अभिनेत्री दिव्या दत्ता वेब सीरीज चिरैया में नजर आई थीं। ओटीटी पर स्ट्रीम होने के बाद सीरीज को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, जिसे देखते हुए अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, हमारे दर्शकों का इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन लोगों को यह सीरीज पसंद आई और जिनसे यह जुड़ गई और जिन्होंने इसे अपना प्यार दिया। उन सभी को तहे दिल से शुक्रिया। छह एपिसोड वाली हिंदी ड्रामा वेब सीरीज वैवाहिक दुष्कर्म और पितृसत्तात्मक दबाव के गंभीर विषय पर आधारित है। सीरीज के जरिए निर्देशक शशांत शाह ने उन कुरीतियों पर सोचने पर मजबूर किया है, जो सालों से प्रथा के तौर पर समाज में चली आ रही हैं, जिन पर आजतक किसी ने सवाल नहीं किया। चिरैया की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी के बाद भी अपने अधिकारों और सहमति के मुद्दे पर आवाज उठाती है। यह सीरीज सीधे-सीधे पूछती है, क्या शादी करने भर से जीवन भर की सहमति मिल जाती है? क्या पति को जबरदस्ती करने का हक है? शशांत शाह द्वारा निर्देशित सीरीज में दिव्या दत्ता मुख्य भूमिका में हैं, जो कुरीति पर सवाल उठाने के साथ-साथ अपनों से ही लड़ती दिख रही हैं।

है जवानी तो इश्क होना है की मौलिकता पर उठ रहे सवाल

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का पहला लुक रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच खासी चर्चा बटोरी है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े तीनों के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री दिखाई गई है, जो फिल्म का एक मजबूत पक्ष हो सकती है, लेकिन फिल्म को लेकर सारा सस्पेंस पहले लुक में ही खुलकर सामने आ चुका है, जिससे इसकी मौलिकता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह एक पुराने गिफ्ट को नई पैकिंग के साथ सिनेमाघरों में उतारा जा रहा है। है जवानी तो इश्क होना है में वरुण धवन एक साथ दो-दो पत्नियों के साथ दोहरी जिंदगी जीते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर उनकी पहली पत्नी की भूमिका में हैं, जबकि पूजा हेगड़े उनकी दूसरी पत्नी का किरदार निभा रही हैं। इस प्लॉट को देखकर तुरंत बॉलीवुड के हीरो नंबर 1 गोविंदा की क्लासिक कॉमेडी फिल्मों सैंडविच और साजन चले ससुराल की यादें ताजा हो जाती हैं। कुल मिलाकर, यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शकों को सलमान खान के गाने के टाइटल और गोविंदा की फिल्मों की स्क्रिप्ट का एक मिक्स कॉकटेल देखने को मिल सकता है। गोविंदा की फिल्म सैंडविच सभी को याद होगी, जिसमें वह महिमा चौधरी और रवीना टंडन दोनों से शादी कर लेते हैं और दोनों के दो बच्चों (टोनी और टुकटुक) को जन्म देती हैं, जिनकी शक्लें एक जैसी होती हैं क्योंकि दोनों के पिता गोविंदा ही हैं। है जवानी तो इश्क होना है के पहले लुक में भी इसी तरह की थीम देखने को मिल रही है।

बादशाह ने किया विवादित गाने का संशोधित संस्करण टटीरी फिर से जारी

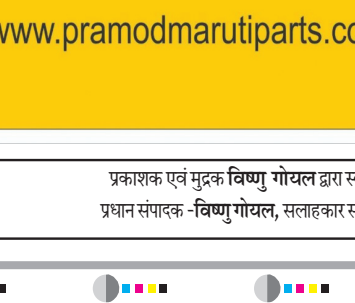

अपने विवादित गाने टटीरी का नया और संशोधित संस्करण टटीरी फिर से सिंगर बादशाह ने रिलीज कर दिया है। टटीरी गाने पर बैन लगने के बाद बादशाह ने इस बार लिरिक्स और वीडियो में महत्वपूर्ण बदलाव करके गाने को दोबारा पेश किया है। बादशाह ने इस नए ट्रैक में हरियाणा की समृद्ध और अनूठी संस्कृति को आधुनिक हिप-हॉप बीट्स के साथ मिलाकर एक नया प्रयोग किया है, और इसे राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियन सिमरन जागलान ने अपनी दमदार आवाज दी है, जिससे गाने को एक विशेष ऊर्जा मिली है। बादशाह ने टटीरी फिर से को सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि संस्कृति, ताकत और स्वैग का मिश्रण बताते हुए एक अलग ही एहसास करार दिया है। इस बार गाने में पिछले विवादों को ध्यान में रखते हुए कई बदलाव किए गए हैं। गाने के शुरुआती रैप को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिसमें पहले लड़कियों को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसकी जगह सिंगर ने गाने पर लगे बैन के बाद अपने कमबैक और वापसी की कहानी को शब्दों में पिरोकर पेश किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक खास संदेश है। दृश्य-रूप से भी गाने में बदलाव किए गए हैं। गाने से स्कूल की ड्रेस में डांस कर रही लड़कियों वाले सीन को हटा दिया गया है, और साथ ही विवादित बस वाले सीन भी अब वीडियो में मौजूद नहीं हैं। इनकी जगह, नए गाने में हरियाणा के बुजुर्गों के खास स्वैग को दिखाया गया है, और कुछ नए डांस वीडियो को जोड़कर गाने को और अधिक मनोरंजक और स्वीकार्य बनाया गया है।

इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे ड्रेपर , फ्रेंच ओपन से कर सकते हैं वापसी

लंदन ■ एजेंसी

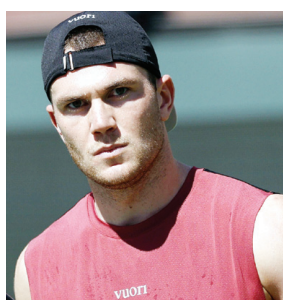

इंग्लैंड के टेनिस स्टार जैक ड्रेपर चोटिल हो गये हैं। इस कारण वह इटली की राजधानी रोम में इसी माह के अंत में शुरु होने वाले इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे। ड्रेपर के घुटने में चोट लगी है। इसी कारण वह मैड्रिड ओपन से भी बाहर हैं। ड्रेपर के नहीं खेलने से उनके प्रशंसकों को निराशा हुई है।

ड्रेपर कुछ समय पहले ही हड्डी में चोट से उबरे थे । उस चोट के कारण वही व विंबलडन से भी बाहर रहे थे। अब मैड्रिड के बाद रोम से उनके नाम वापस लेने से उनकी फिटनेस को लेकर चिन्ता जतायी जा रही है हालांकि ये भी कहा जा रहा है कि वह 18 मई से शुरु हो रहे फ्रेंच ओपन में खेल सकते हैं। घुटने की समस्या से वह पहले भी परेशान रहे है। इसी के कारण वह मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी नहीं खेल पाये थे। इसके अलावा बार्सिलोना में भी क्ले कोर्ट मैच के बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इससे साफ है कि घुटने की चोट उनके लिए बड़ी परेशानी बन रही है। ड्रेपर ने रोम ओपन से बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा, मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं रोम में नहीं खेल पाऊंगा। साथ ही कहा कि मैं इस बार से राहत का अनुभव कर रहा हूं कि मुझे कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है और तेजी से सुधार हो रहा है।

अभी नहीं, लेकिन फिर कोचिंग करूंगा, एंडी मरे ने भविष्य की योजनाओं पर खोला दिल

लंदन ■ एजेंसी

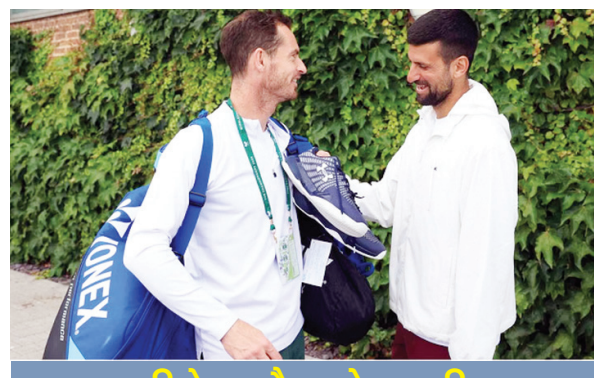

ब्रिटेन के महान टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने अपने रिटायरमेंट के बाद के कोचिंग अनुभव को लेकर खुलकर बात की है। मरे ने साफ किया कि वह भविष्य में फिर से कोचिंग करना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल वह इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं हैं। मरे, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद कुछ समय के लिए नोवाक जोकोविच के साथ काम किया, ने इस अनुभव को सीखने वाला बताया।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, जोकोविच ने शायद मुझसे कुछ नहीं सीखा, लेकिन मैंने बहुत कुछ सीखा। मैं दोबारा कोचिंग करना चाहूंगा, लेकिन अभी नहीं। मरे ने बताया कि एक खिलाड़ी से कोच बनने का सफर काफी अलग होता है। उन्होंने कहा कि जोकोविच के साथ काम करने के दौरान उन्हें उनके खेल और रोजमर्रा की तैयारी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मैं उनके खेल के बारे में पहले से काफी जानता था, क्योंकि वर्षों तक उनके खिलाफ खेला हूं। लेकिन कोच के तौर पर उनकी दिनचर्या को देखना एक अलग अनुभव था।

कम्युनिकेशन है सबसे बड़ा हथियार

मरे ने यह भी स्वीकार किया कि कोचिंग में सबसे अहम चीज खिलाड़ी के साथ संवाद और समझ है। उन्होंने बताया कि एक पिता होने के नाते उनकी सोच में बदलाव आया है। उन्होंने कहा, कोचिंग में यह जरूरी है कि आप अपने खिलाड़ी को समझें और उसकी बात सुनें। मुझे लगता है कि बच्चों के साथ समय बिताने से मैं ज्यादा समझदार बना हूं। मरे ने कहा कि जब आप खिलाड़ी होते हैं तो पूरी टीम आपके लिए काम करती है, लेकिन कोच के तौर पर आप टीम का एक छोटा हिस्सा होते हैं। उन्होंने समझाया, कोचिंग में आप टीम के साथ मिलकर काम करते हैं, जहां आपका मकसद एक खिलाड़ी को बेहतर बनाना होता है। मरे ने नोवाक जोकोविच का समर्थन करते हुए कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की क्षमता रखते हैं।

पाकिस्तानी ऑलराउंडर नवाज ड्रग टेस्ट पॉजिटिव पाए गए

पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के मुताबिक यह सैंपल 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान लिया गया था। इस मामले में आईसीसी ने पीसीबी को जानकारी दी है और बोर्ड ने अपनी जांच शुरू कर दी है। पीसीबी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा- आईसीसी ने इस मामले की जानकारी दी है और पीसीबी ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके नतीजे आज आईसीसी को बताए जाएंगे। फिलहाल जांच जारी है और अंतिम फैसला अभी नहीं आया है। 32 साल के नवाज ने इस साल श्रीलंका में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के सभी सात मैच खेले थे। टीम सुपर-8 स्टेज में बाहर हो गई थी। इस दौरान उन्होंने 15 रन बनाए और 7 विकेट लिए। नवाज के खिलाफ यह मामला आईसीसी की एंटी-डोपिंग प्रक्रिया के तहत चल रहा है। पॉजिटिव टेस्ट रिक्रिएशनल ड्रग (नशीली दवाएं) से जुड़ा है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बांग्लादेशी खिलाड़ियों का जलवा

आईसीसी की ताजा वनडे और टी-20 प्लेयर रैंकिंग बुधवार को जारी हुई। न्यूजीलैंड के खिलाफ मीरपुर में मिली 6 विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने लंबी छलांग लगाई है। वहीं, बैटिंग रैंकिंग में चार भारतीय शामिल हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे मैच में बांग्लादेश ने कीवी टीम को हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। इस जीत में तंजीद हसन ने 76 रनों की अहम पारी खेली, जिससे उन्हें वनडे बैटिंग रैंकिंग में 14 पायदान का फायदा हुआ और वे 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, तौहीद हृदोय 30 रन की नाबाद पारी के दम पर 5 स्पॉट ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 26वें स्थान पर आ गए हैं। गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में बांग्लादेश के स्पिनर रिशाद हुसैन और पेसर नाहिद राणा को बड़ा फायदा हुआ है। मीरपुर वनडे में दोनों ने मिलकर

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

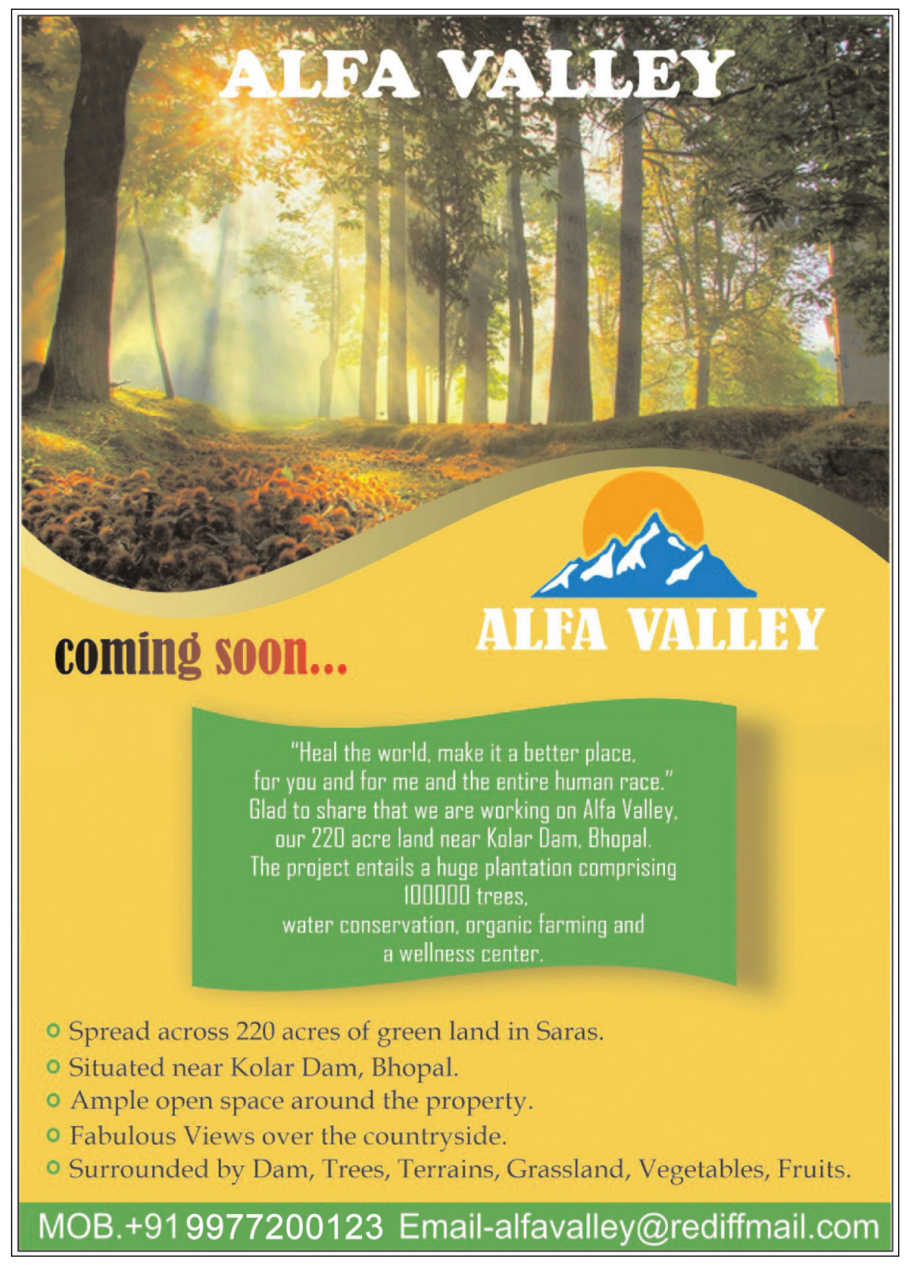

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com